छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg No-CHHHIN/2020/87351

डाक पंजीयन क्र. 046/Surguja Dn/2024-26

www.cgfrontline.com

वर्ष - 06 अंक - 66 बैकुंठपुर, शनिवार 06 दिसंबर 2025 पृष्ठ -8 मूल्य -1

रफ्तार ने ली युवक की जान, आक्रोशित लोगों ने कार को आग के हवाले किया

अंबिकापुर-बनारस मार्ग में हादसा, 20 वर्षीय युवक की मौके पर दर्दनाक मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन जरही। सूरजपुर जिले के जरही नगर पंचायत में गुरुवार की रात तेज रफ्तार और कथित रूप से नशे में धुत एक्सयूव्ही कार के चालक ने 20 वर्षीय युवक की जान ले ली। घटना के बाद क्षेत्र में भारी तनाव फैल गया। गुस्साए ग्रामीणों ने आरोपी की कार को आग के हवाले कर दिया। दुर्घटना अंबिकापुर-बनारस मुख्य मार्ग पर स्थित पेट्रोल पंप के ठीक सामने रात लगभग 9 बजे के आसपास हुई। इस स्थान पर आए दिन तेज रफ्तार वाहनों के कारण दुर्घटनाएं होती हैं। गुरुवार की रात की घटना ने पूरे इलाके को झकझोरकर रख दिया।

ट्रेक्टर-ट्रॉली पलटने के बाद मौत बनकर पहुंची एक्सयूव्ही

सूत्रों के अनुसार कोरंधा गांव का किसान अपने ट्रैक्टर में पैरा लोड करके वापस लौट रहा था। पेट्रोल पंप के पास मोड़ पर ट्रॉली संतुलन बिगड़ने से पलट गई। किसान पुन: पैरा लोड कर रहे थे, मृत युवक भी उसी काम में लगा था। इसी दौरान अचानक अंबिकापुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार एक्सयूव्ही-700 क्रमांक सीजी 15 ईएच 2400 अनियंत्रित होकर पहले सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकराई, फिर युवक को कुचलते हुए आगे निकल गई। ग्रामीणों का दावा है कि चालक नशे की हालत में वाहन चला रहा था।

200 मीटर तक घसीटते ले गया ग्रामीण को

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि युवक लगभग 200 मीटर तक पैरा सहित कार के नीचे फंसा घिसटते चला गया। कार जब रुकी तब तक युवक गंभीर रूप से जख्मी हो चुका था। ग्रामीणों ने उसे बाहर निकाला लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। मौके का दृश्य इतना भयावह था कि मौजूद लोग स्तब्ध रह गए।

आक्रोशित लोगों ने वाहन को घेरकर जलाया

घटना के तुरंत बाद आसपास के लोग, गांव के युवक और राहगीर भारी संख्या में जमा होने लगे। गुस्से में भीड़ ने आरोपी के कार को घेर लिया और चालक को बाहर निकालकर कार को आग के हवाले कर दिया। देखते ही देखते पूरी कार आग की लपटों में घिर गई और राख में तब्दील हो गई। भीड़ ने कार चालक को पकड़ कर भटगांव पुलिस के हवाले कर दिया।

कोरंधा ग्राम का रहने वाला था मृतक

मृतक की पहचान हृदय लाल राजवाड़े, पिता हिम्मत लाल राजवाड़े 20 वर्ष, निवासी ग्राम पंचायत कोरंधा के रूप में हुई है। घटना से मृतक के परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। हृदय लाल मेहनत-मजदूरी करके घर-परिवार की जिम्मेदारी का निर्वहन कर रहा था। स्वजन और गांव के लोगों ने इस घटना को जिम्मेदारों की लापरवाही और बेकाबू वाहन चालकों के आतंक की संज्ञा दी।

चालक को पुलिस ने गिरफ्तार किया

सूचना मिलते ही भटगांव पुलिस टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती भीड़ को शांत करना और सड़क मार्ग को सुचारु संचालन योग्य बनाना था, जो लंबे समय तक जाम रहा। पुलिस ने चालक को गिरफ्तार कर लिया है और मेडिकल परीक्षण कराया है।

स्थानीय लोगों ने कहा

यह मार्ग हाईवे बन गया है, लेकिन सुरक्षा के इंतजाम न के बराबर हैं। रात में शराब पीकर वाहन दौड़ाने वालों पर कोई रोक-टोक नहीं है। सड़क के दोनों ओर बाजार, पेट्रोल पंप, दुकानें हैं और पैदल आवाजाही अधिक है, लेकिन स्पीड कंट्रोल के लिए न सिग्नल है, न पुलिस चेकिंग और न ही स्पीड ब्रेकर।

मुआवजा और सख्त कार्रवाई की मांग

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मृतक के स्वजन को उचित मुआवजा मिले। आरोपी के विरूद्ध विधि अनुरूप कड़ी कार्रवाई हो। मौके पर स्थायी पुलिस चौकी या चेक पोस्ट स्थापित हो। हाईवे पर स्पीड कंट्रोल को लेकर ठोस कदम उठाए जाएं। घटना के बाद तनावपूर्ण माहौल नियंत्रण में है। पुलिस पूरे मामले की जांच जारी है।

अवैध तरीके से युवती की खरीद-बिक्री करने वाले मुख्य आरोपी गिरफ्तार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मध्य प्रदेश के उज्जैन में बेची गई युवती के मामले में पुलिस ने दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के बाद से दोनों आरोपी लगातार फरार थे।

बता दें कि बीते 19 नवम्बर को शादी पार्टी में काम करने के बहाने पीड़िता को उसकी सहेली अलका पत्थलगांव ले जाने के बहाने उज्जैन में ले जाकर बेच दी थी। रिपोर्ट पर 26 नवम्बर को थाना मणीपुर में अपराध क्रमांक 323/2025 धारा 143 (2),187, 3(5) बीएनएस, 140 (3), 142, 144 (2), 64 2 डी बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया था। विवेचना दौरान आरोपी के तलाश में पुलिस टीम उज्जैन गई। यहां भंवर सिंह के कब्जे से पीड़िता को बरामद कर उसके अन्य साथी मुकेश को पुलिस ने गिरफ्तार करके रिमांड पर भेजा था, प्रकरण के दो आरोपी घटना के बाद से लगातार फरार थे। मणीपुर पुलिस टीम फरार आरोपियों की सरगर्मी से पता तलाश कर रही थी। इसी क्रम में 5 दिसम्बर को पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर आरोपी अशोक परमार पिता चुन्नीलाल परमार 30 वर्ष, निवासी भान बड़ोदिया, थाना घटिया जिला उज्जैन मध्य प्रदेश एवं अन्य महिला आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ किया, जिसने घटना करना स्वीकार किया। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करके पुलिस ने न्यायिक रिमांड पर भेजा है। आरोपियों की गिरफ्तारी में थाना प्रभारी मणिपुर निरीक्षक अश्विनी सिंह, सहायक उप निरीक्षक शौखी लाल, आरक्षक सत्येंद्र दुबे की मुख्य भूमिका रही।

मिर्गी का दौरा पड़ने से गिरे युवक की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मिर्गी का दौरा आने से गिरकर घायल हुए युवक की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कांसाबेल थाना क्षेत्र के ग्राम सुरहापानी, बंगालीटोला निवासी जरू बाबिल कुजूर पिता स्व. नासरित 31 वर्ष, गुरूवार को सुबह करीब 7 बजे बाइक से सामान लेने के लिए गांव में ही गया था। वापस आते समय अचानक मिर्गी का दौरा आने से वह गिरकर जख्मी हो गया था। कांसाबेल स्वास्थ्य केन्द्र से रिफर करने पर स्वजन उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां शुक्रवार, 5 दिसम्बर को अलसुबह 4.30 बजे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है।

वृद्ध की इलाज दौरान मौत

दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम कुबेरपुर निवासी वृद्ध कंदरू नगेसिया 80 वर्ष, 4 दिसम्बर को खेत की तरफ पैदल जाते वक्त गिरकर घायल हो गया था। स्वजन उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराए थे, यहां इलाज के दौरान 5 दिसम्बर को सुबह 6.20 बजे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

नशे में धुत चालक सो गया, ट्रैक्टर का स्टेयरिंग संभाला बच्चा

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। जिला मुख्यालय न्यू विश्राम गृह के सामने एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। व्यस्त गौरव पथ पर करीब 10 वर्षीय एक बच्चा ट्रैक्टर चलाते हुए देखा गया। पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्रैक्टर का वास्तविक चालक अत्यधिक नशे में धुत था। नशे की हालत इतनी खराब थी कि चालक कुछ ही देर बाद गहरी नींद में चला गया और वाहन से उसका नियंत्रण पूरी तरह खत्म हो गया। चालक के पास बैठा छोटा बच्चा पहले लगातार उसे झकझोर कर जगाने की कोशिश करते रहा, लेकिन जब चालक बेहोशी की हालत में ही पड़ा रहा और ट्रैक्टर का नियंत्रण बिगड़ने लगा। इसके बाद बच्चे ने सूझबूझ का परिचय देते हुए तुरंत स्टेयरिंग संभाल लिया। वीडियो में साफ दिख रहा है कि बच्चा पूरी सहजता से ट्रैक्टर को नियंत्रित करता रहा। यह नजारा देख राहगीर भी दंग रह गए। लोगों ने पास आकर बच्चे को ट्रैक्टर रोकने के लिए कहा। बच्चा बिना किसी घबराहट के धीरे-धीरे ट्रैक्टर को सड़क किनारे सुरक्षित स्थान पर रोक दिया। गौरव पथ जैसे व्यस्त मार्ग में एक नाबालिग बच्चे का ट्रैक्टर संभालना, नशे में धुत चालक के कारण के कारण गंभीर हादसे का कारण बन सकता था।

सरगुजा के 20 खिलाड़ी दिखाएंगे राज्य स्तरीय नेटबॉल चैंपियनशिप में दमखम

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। 15वीं छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय सीनियर नेटबॉल प्रतियोगिता महिला/पुरुष का आयोजन 6 एवं 7 दिसंबर को बिलासपुर में किया जा रहा है। नेटबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन सरगुजा की दोनों टीमें इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी।

नेटबॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन सरगुजा के सचिव रजत सिंह ने बताया कि जिले से कुल 21 खिलाड़ी राज्य स्तरीय सीनियर नेटबॉल प्रतियोगिता में भाग लेंगे, जिसमें पुरुष वर्ग से ओम प्रकाश, सर्वेश दुबे, आयुष्मान, आयुष सिंह, आयुष बारी, विक्की भगत, अभिषेक शर्मा, शिखर ठाकुर, ऋत्विक राज गुप्ता, अमन एवं महिला वर्ग की खिलाड़ी खुशबू गुप्ता, प्रज्ञा मिश्रा, साक्षी तिर्की, प्रियंका पैकरा, रागिनी, अनामिका चौबे, उमा वर्मा, संजना मिंज, नंदिनी, आर्या खलखो, रजनीकांता शामिल होंगे। राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि सरगुजा जिले में नेटबॉल खेल नई ऊंचाइयों को छू रहा है। जिले में नेटबॉल के प्रति गंभीरता लगातार बढ़ रही है। सरगुजा के खिलाड़ी न केवल राज्य स्तर पर बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जिले का गौरव बढ़ा रहे हैं। इस अवसर पर निशांत सिंह गोल्डी, गौरव सिंह, सौरभ, के.पी. सिंह, हेमंत तिवारी, हिमांशु जायसवाल सहित सरगुजा बास्केटबॉल परिवार ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अमेरा ओपन कास्ट विस्तार को लेकर खूनी संघर्ष, कांग्रेस ने जांच टीम गठित किया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने एसईसीएल के अमेरा ओपन कास्ट के विस्तार को लेकर ग्रामीणें एवं पुलिस प्रशासन के बीच हुई झड़प की जांच हेतु 10 सदस्यीय जांच टीम का गठन किया है। बता दें कि सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम परसोढ़ीकला स्थित अमेरा ओपन कास्ट कोल माइन्स के विस्तार के विरोध में ग्रामीणों द्वारा किए जा रहे शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के दौरान स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा किए गए बर्बरतापूर्वक पुलिसिया कार्रवाई को गंभीरता से लेते हुए छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने पूर्व मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह के संयोजन में दस सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है। इनके साथ सदस्यों में विधायक इंदशाह मंडावी व जनक ध्रुव, पूर्व महापौर डॉ. अजय तिर्की, अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा बालकृष्ण पाठक, पूर्व अध्यक्ष जिला कांग्रेस राकेश गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष जिला पंचायत मधु सिंह, जिला अध्यक्ष महिला कांग्रेस सीमा सोनी, उपाध्यक्ष डीडीसी मुनेश्वर राजवाड़े, सदस्य जिला पंचायत अनिमा केरकेट्टा शामिल हैं। जांच समिति के सदस्यों से आग्रह किया गया है कि, वे अविलंब प्रभावित क्षेत्र का दौरा करके पीड़ितों एवं स्थानीय ग्रामवासियों से भेंट, चर्चा कर घटना की वस्तुस्थिति से अवगत हों और अपना प्रतिवेदन प्रदेश कांग्रेस कमेटी को प्रेषित करें।

जिला कार्यक्रम अधिकारी ने ली परियोजना अधिकारी एवं पर्यवेक्षकों की बैठक

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर विलास भोसकर के निर्देशानुसार महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी जे.आर. प्रधान के द्वारा शुक्रवार को सभी परियोजना अधिकारी एवं पर्यवेक्षकों की समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में सर्वप्रथम पोषण ट्रेकर एप में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं की प्रतिदिन की उपस्थिति, फेस कैप्चर, बच्चों की केन्द्र में उपस्थिति तथा हितग्राहियों के फेस कैप्चर के माध्यम से टी.एच.आर. का वितरण संबंधी समीक्षा की गई। वहीं बच्चों के वजन की समय पर एंट्री तथा गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों का चिन्हांकन कर एन.आर.सी. में भर्ती कराने निर्देशित किया गया। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना अंतर्गत जिले में लक्ष्य के विरुद्ध धीमी प्रगति पर सभी को 15 दिसम्बर तक पंजीयन कार्य पूर्ण करने निर्देशित किया गया। सभी पात्र हितग्राहियों का विशेष अभियान के दौरान शत-प्रतिशत चिन्हांकन कर ऑनलाइन पंजीयन कर योजना का लाभ दिलाने साथ ही ड्यू लिस्ट तथा ओल्ड केस को समय पर पूर्ण करने निर्देशित किया गया। महतारी वंदन योजना अंतर्गत शेष हितग्राहियों का ई-केवाईसी कार्य पूर्ण कराने सभी को निर्देशित किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने परियोजना अधिकारी एवं पर्यवेक्षकों को नियमित क्षेत्र भ्रमण, हितग्राहियों को शासन की सभी योजनाओं का लाभ दिलाने तथा समय-सीमा में रिपोर्टिंग एवं एंट्री कर कार्य पूर्ण करने निर्देश दिया गया। इस दौरान आगामी वजन त्यौहार की तैयारियों के संबंध में चर्चा की गई।

जिला पंचायत सीईओ ने जनपद पंचायत लखनपुर का किया दौरा

विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण कर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार अग्रवाल ने शुक्रवार को जनपद पंचायत लखनपुर में विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्राम पंचायत कुन्नी में स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत निर्मित सामुदायिक शौचालय का निरीक्षण कर साफ-सफाई का विशेष ध्यान देने निर्देशित किया, शौचालय में पर्याप्त पानी की व्यवस्था करने कहा। इसके पश्चात उन्होंने धान उपार्जन केंद्र कुन्नी पहुंचकर किसानों से खरीदी केंद्र की व्यवस्थाओं के संबंध में फीडबैक लिया। उन्होंने इस दौरान बारदाना उपलब्धता, माइक्रो एटीएम सुविधा, धान खरीदी की प्रगति आदि की समीक्षा की तथा हमालों से भी चर्चा की। इस दौरान उन्होंने एनआरएलएम से संबंधित समूहों के आजीविका संवर्धन केंद्रों का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सीईओ ने प्रधानमंत्री आवास योजनांतर्गत निर्माणाधीन आवासों, कृषि विभाग के वाटरशेड, घाट बंधाई का निरीक्षण सहित मनरेगा द्वारा निर्मित कटिण्डा के अमृत सरोवर का भी निरीक्षण किया।

एड्स के प्रति जागरूकता लाने फ्लैश मॉब का आयोजन

अंबिकापुर। सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय सुभाषनगर में रेड रिबन क्लब इकाई अंतर्गत शुरू एड्स जागरूकता सप्ताह के तहत 5 दिसम्बर को फ्लैश मॉब का आयोजन कराया गया। बी.एड प्रथम वर्ष के प्रशिक्षणार्थियों द्वारा महाविद्यालय प्रांगण से सुभाषनगर चैक तक रैली निकालकर चैक में फ्लैश मॉब किया। इसका उद्देश्य समाज में एचआईवी, एड्स से संबंधित जानकारी, सचेतना और सकारात्मक सोच का प्रसार करना और आकर्षक तरीके से स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण संदेश प्रदान करना था। इस दौरान एड्स से जुड़े मिथकों और भ्रांतियों से दूर रहने की भी अपील की गई। इस दौरान सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रद्धा मिश्रा एवं कार्यक्रम अधिकारी रासेयो रानी रजक, रेड रिबन क्लब प्रभारी सविता यादव, सहायक प्राध्यापक उर्मिला यादव, मिथलेश कुमार गुर्जर, सुप्रिया सिंह, सीमा बंजारे, पूजा रानी, ज्योत्स्ना राजभर, अर्चना सोनवानी, गोल्डन सिंह एवं बी.एड के प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति रही।

397 बोरी अवैध धान जब्त

अवैध धान परिवहन एवं भण्डारण पर प्रशासन की सतत निगरानी

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में अवैध धान खपाने के प्रयासों पर अंकुश लगाने प्रशासन लगातार सतर्क है। और कलेक्टर श्री राजेन्द्र कटारा के निर्देशन में अवैध धान के परिवहन भंडारण पर सतत निगरानी रखते हुए कार्यवाही की जा रही है।

मोटरसायकल पर लाया जा रहा अवैध धान जब्त

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व रामानुजगंज के मार्गदर्शन में राजस्व विभाग की टीम ने एक अनोखे तरीके से की जा रही अवैध धान पर कार्यवाही की है। टीम ने ग्राम सनावल के जंगल क्षेत्र से 10 मोटरसाइकिलों के सहारे लाए जा रहे 30 बोरी अवैध धान जब्त किया। तहसीलदार श्री आई.सी. यादव ने बताया कि उत्तरप्रदेश के कुछ लोग जिले में धान खपाने का नया तरीका अपनाते हुए मोटरसाइकिलों के माध्यम से धान ला रहे थे। ताकि जांच-निगरानी से बचा जा सके। जिसे कुछ दूर पीछा कर रोक कर पूछताछ किया गया। पूछताछ में उत्तरप्रदेश से धान लाना बताया गया। तत्पश्चात 30 बोरी अवैध धान के साथ मोटरसाइकिल जब्त कर थाना सनावल को सुपुर्द कर दिया गया है।

अपर कलेक्टर के नेतृत्व में 114 बोरी अवैध धान को जब्त

जिले में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी को पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाए रखने प्रशासन लगातार सक्रिय है। इसी कड़ी में अपर कलेक्टर श्री आर.एन. पाण्डेय द्वारा लगातार दौरा किया जा रहा है। आज अपर कलेक्टर श्री पाण्डेय के निरीक्षण के दौरान 114 बोरी अवैध धान भण्डारण की सूचना मिली। गोपनीय सूचना प्राप्त होने पर अपर कलेक्टर श्री पाण्डेय के नेतृत्व में टीम ने ग्राम चांदो में मौके पर श्री रामविलास के घर पर पहुंचे जहां अवैध रूप से बिक्री हेतु संग्रहित 114 बोरी धान पाया गया। जिस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए सम्पूर्ण धान को जब्त किया गया। इसी प्रकार ग्राम नवाडीह कला में दुर्गेश गुप्ता के द्वारा 13 बोरी धान क्रय किया जा रहा था उक्त धान के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर जब्ती की कार्यवाही की गई है।

धान उपार्जन केंद्र भेण्डरी में 240 बोरी अवैध धान जब्त

विकासखण्ड राजपुर अंतर्गत धान उपार्जन केंद्र भेण्डरी में रामकुमार के द्वारा 240 बोरी धान बेचने हेतु लाया गया था। जांच के दौरान पाया गया कि उक्त धान अवैध रूप से भंडारित कर धान उपार्जन केंद्र में लाया गया है। जिस पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री देवेन्द्र प्रधान के मार्गदर्शन में तहसीलदार श्रीमती कावेरी मुखर्जी के द्वारा कार्यवाही करते हुए जब्ती की कार्यवाही की गई है।

जिला स्तरीय युवा उत्सव होगी आयोजित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। युवाओं को कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में अवसर प्रदान करने के लिए इस वर्ष भी खेला एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा युवा उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें जिला स्तरीय युवा उत्सव प्रातः 10 बजे से ऑडिटोरियम भवन में आयोजित किया जाएगा। खेल अधिकारी ने बताया कि युवा उत्सव में जिले के प्रतिभाशाली युवाओं को विभिन्न विधाओं में अपनी कौशल प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। इस युवा उत्सव में लोक नृत्य, पंथी नृत्य, राउत नाचा, सुआ नृत्य, लोक गीत, वाद-विवाद, कहानी लेखन, चित्रकला, कविता लेखन, नवाचार, एकांकी, पारंपरिक वेश-भूषा, रॉक बैंड विधायें शामिल है। जिसमें 15 से 40 वर्ष आयु वर्ग तक के प्रतिभागी जिला स्तर युवा उत्सव में हिस्सा ले सकेंगे। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को राज्य स्तरीय युवा उत्सव में हिस्सा लेने का अवसर मिलेगा।

सीएमएचओ ने सीएचसी लटोरी का किया औचक निरीक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लटोरी में चिकित्सा व्यवस्था भगवान भरोसे चलने की बात पर आज कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशानुसार डॉ. कपिलदेव पैकरा और जिला कार्यक्रम प्रबंधक संदीप नामदेव द्वारा सीएचसी लटोरी का औचक निरीक्षण किया गया। जिसमें वहां पर पदस्थ सभी कर्मचारियों का आधार अटेंडेंस उपस्थिति जांच किया गया। साथ ही समय पर अस्पताल खुलने एवं सामुदायिक स्तर पर स्वास्थ्य संबंधित सभी प्रकार के सुविधाओं को देने के लिए निर्देशित किया गया।

संस्था प्रभारी को 10.30 बजे तक आधार अटेंडेंस की उपस्थिति अनिवार्य रूप से निगरानी करते हुए अनुपस्थित लोगों का सूची सीएमएचओ कार्यालय भेजने के लिए निर्देश दिए गए। उसके बाद नवापारा लटोरी में चल रहे टीकाकरण केंद्र का औचक निरीक्षण किया गया। जिसमें ड्यू लिस्ट एमसीएच रजिस्टर

आरसीएच रजिस्टर में बच्चों और गर्भवती माताओं का टीकाकरण इंद्राज करने और गर्भवती माता का चार जांच इंद्राज करने के लिए निर्देशित किया गया। साथ ही उच्च जोखिम वाले गर्भवती माता का चिन्हांकित कर समय पर उन्हें स्वास्थ्य सुविधाएं देते हुए सुरक्षित प्रसव करने हेतु निर्देशित किया गया। ज्ञात हो कि सप्ताह भर पूर्व ही यहां पदस्थ चिकित्सक राजेश साव द्वारा ड्यूटी से नदारत रहने की वजह से पुलिसिंग कार्यवाही में विलंब होने की खबर भी प्रमुखता से प्रकाशित की गई थी। इसी वजह से सीएमएचओ द्वारा आज सीएचसी लटोरी का निरीक्षण किए जाने की संभावना जताई जा रही है।

धान खरीदी मंडी में भ्रष्टाचार पर जिपं सदस्य ने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। जिला प्रशासन धान खरीदी प्रक्रिया को सुचारू बताने में जुटा है, लेकिन मैदानी स्तर पर में किसान भ्रष्टाचार के चक्रव्यूह में फंसे हैं। पंजीकरण तो किसी तरह हो गया, लेकिन धान बेचना किसी जंग से कम नहीं। सहकारी समितियों में व्याप्त अनियमितताओं पर नोडल अधिकारी की नियुक्ति के बावजूद कोई राहत नहीं मिल रही है। इसी कड़ी में जिला पंचायत सदस्य व युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष नरेंद्र यादव ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर किसानों की व्यथा सुनाते हुए शीघ्र सुधार नहीं होने पर धरना-प्रदर्शन और आंदोलन की बात कही गई है। जिला पंचायत सदस्य नरेंद्र यादव ने बताया कि अपने जिला पंचायत क्षेत्र का दौरा करने के दौरान किसानों की शिकायतों पर वे धान खरीदी मंडी पहुंचे। वहां किसानों ने खुलासा किया कि मंडी समिति के कर्मचारी दबाव डालकर प्रति बोरी 41 किलो 300 ग्राम तक धान भरवा रहे हैं, जिससे किसान आर्थिक रूप से चपत खा रहे हैं। इतना ही नहीं मंडी में मजदूरों की कमी बताकर किसानों से ही हमाली का काम करवाया जा रहा है। विरोध जताने पर मंडी प्रबंधक धमकियां देकर किसानों को डराने-धमकाने लगते हैं। यह समस्या खासकर सिलफिली, कंदरई और जयनगर धान खरीदी मंडियों में चरम पर है। यादव ने ज्ञापन में उल्लेख किया है कि इन मंडियों के प्रबंधकों का पूर्व में स्थानांतरण हो चुका है, फिर भी वे अपनी जड़ें जमा चुके हैं। इन पर पहले भी भ्रष्टाचार के कई आरोप लग चुके हैं, जिसकी वजह से किसान लगातार परेशान हो रहे हैं। यादव ने ज्ञापन में प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है। साथ ही शिकायत पर कोई कार्यवाही नहीं किए जाने पर किसानों के साथ सड़कों पर उतरकर आंदोलन करने की बात कही गई है।

सरस्वती सायकल योजना अंतर्गत 15 बालिकाओं को सायकल का वितरण

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। सरस्वती सायकल योजना के तहत शासन द्वारा बालिकाओं को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने तथा विद्यालय तक पहुंच को सुगम बनाने के उद्देश्य से निःशुल्क सायकल प्रदान की जाती है। इसी कड़ी में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय बलरामपुर में सरस्वती सायकल योजना के तहत 15 बालिकाओं को सायकल वितरण किया गया। इस दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने साइकिल वितरण करते हुए बालिकाओं को शुभकामनाएं दी। इस दौरान ब्लॉक शिक्षा समिति के अध्यक्ष श्रीमती बबली संबल, अन्य जनप्रतिनिधिगण, अभिभावक, प्राचार्य, शिक्षकगण उपस्थित रहे।

करंजी रेलवे साइडिंग का राजस्व व पर्यावरण विभाग ने किया निरीक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। करंजी रेलवे साइडिंग से फैलते प्रदूषण, अनियमित कोल परिवहन और ग्रामीणों की बढ़ती परेशानियों को गंभीरता से लेते हुए शुक्रवार को राजस्व विभाग और पर्यावरण विभाग की संयुक्त टीम ने स्थल का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए। कोयले का अवैध भंडारण, बिना अनुमति लोडिंग, पर्यावरणीय मानकों की अनदेखी और धूल नियंत्रण की किसी भी व्यवस्था का न होना पाया गया।

ग्रामीणों की शिकायतें सही साबित होने के बाद अब इस साइडिंग को लेकर बड़े स्तर पर कार्रवाई की उम्मीद बढ़ गई है। निरीक्षण टीम के पहुंचते ही साइडिंग परिसर में विशाल मात्रा में कोयले का भंडारण दिखाई दिया। उसी दौरान लोडिंग भी जारी थी, जबकि शासन स्तर पर इसके लिए आवश्यक अनुमति व दस्तावेज की जांच करने पर कोई भी प्रमाण उपलब्ध नहीं कराया गया। स्थल पर मौजूद साइडिंग इंचार्ज विपिन कुमार साईं कृपा कंपनी, बुढ़ार शहडोल टीम के सवालों पर घिरते नजर आए। बताया जा रहा है कि यहां पर निरीक्षण टीम ने पाया कि पानी छिड़काव की कोई मशीन या टैंकर मौजूद नहीं था, विंड वाल या विंड ब्रेकिंग सिस्टम भी पूरी तरह नदारद, कोयले की ढुलाई से लगातार उठ रही धूल साइडिंग सड़कों और खेतों में फैल रही थी। टीम के अधिकारियों ने स्पष्ट कहा कि इतना बड़ा संचालन बिना धूल नियंत्रण के चलाना गंभीर पर्यावरणीय अपराध की श्रेणी में आता है। यहां पर निरीक्षण के दौरान पर्यावरणीय सहमति, रेलवे संचालन परमिशन, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनिवार्य कागजात कहीं भी उपलब्ध नहीं थे। निरीक्षण टीम ने इसे गंभीर लापरवाही व नियमों का खुला उल्लंघन कहा है। साइट प्रतिनिधियों ने बताया कि यहां पर कोयला मेसर्स आमगांव ओसीएम, केतकी अंडरग्राउंड खदान व मेसर्स जगन्नाथपुर ओसीएम से आता है। यहां से लोड होकर कोयला एसजीटीपी बिरसिंहपुर पावर प्लांट व एमआर उत्कल एल्यूमिनियम, उड़ीसा भेजा जाता है। यहां पर रायगढ़ से कोल डस्ट मंगाकर फ्लोरिंग और लोडिंग का कार्य भी किया जा रहा है। टीम ने इस पर भी कड़ी आपत्ति जताई है। निरीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने अधिकारियों को बताया कि हैवी डस्ट से सांस की बीमारियां बढ़ रही हैं। कोयले की धूल खेतों पर जमकर फसलों को खराब कर रही है। धूल और गंदगी तालाबों, कुओं और नालों में पहुंच रही है, जिससे पानी पीने योग्य नहीं रह गया है।ग्रामीणों ने कहा कि साइडिंग के माध्यम से कोल डस्ट की अवैध ढुलाई भी होती है, जिससे सड़कें काली और फिसलनभरी हो जाती हैं।

ग्रामीणों ने अधिकारियों से तत्काल रोक लगाने और जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।राजस्व और पर्यावरण विभाग की टीम ने सभी अनियमितताओं का मौके पर पंचनामा तैयार किया और स्पष्ट किया कि पूरा मामला उच्च अधिकारियों तक भेजा जाएगा। अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया है कि आगामी दिनों में सख्त निगरानी, नियमों का पालन और आवश्यकता पड़ने पर सीलिंग या संचालन पर रोक जैसी कार्रवाई भी हो सकती है।

रेत खदान के खिलाफ हर्राटिकरा के लोगों में रोष

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत हर्राटिकरा के शांत और सामंजस्यपूर्ण वातावरण में इन दिनों गहरा आक्रोश उभर रहा है। जिसका कारण गांव के बीचोंबीच प्रस्तावित हर्राटिकरा-2 रेत खदान को बताया जा रहा है। ग्रामीणों ने कैबिनेट मंत्री, कलेक्टर, एसडीएम व खनिज अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर इसे तत्काल निरस्त करने की मांग की है। ज्ञापन में ग्रामीणों ने उल्लेख किया है कि रेत खदान न केवल चिंता बढ़ाते हैं बल्कि यह भी दर्शाते हैं कि खदान का संचालन शुरू हुआ तो पूरा गांव प्रत्यक्ष रूप से आपदा के मुहाने पर खड़ा हो जाएगा। ग्रामीणों ने बताया कि प्रस्तावित खदान ग्राम हर्राटिकरा एवं कुंजनगर के मुक्तिधाम के बीच स्थित है। जहां रोज किसी न किसी परिवार की

अंतिम विदाई होती है, वहां रेत खदान संचालन के दौरान रोजाना दर्जनों हाइवा-ट्रक धूल उड़ाते गुजरेंगे। लोगों का कहना है कि मुक्तिधाम ऐसा स्थान है जहां शांति और सम्मान सबसे महत्वपूर्ण है, लेकिन रेत खदान चालू होने पर अंतिम संस्कार के समय भी शोर-शराबा और गाड़ियों के हॉर्न गूंजेंगे। यह संवेदनशीलता पर सीधा प्रहार है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि रेत खदान स्थल की ओर जाने वाले मार्ग के दोनों ओर गांव की दो प्राथमिक स्कूल, दो आंगनवाड़ी केंद्र, घनी आबादी और बेहद संकरी, जर्जर सड़क है। स्कूल के बच्चे प्रतिदिन पैदल इन्हीं रास्तों से गुजरते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि यहां की सड़क पहले से टूटी हुई है, ऐसे में 20ङ्क25 टन भार ढोने वाले वाहनों का दबाव इसे पूरी तरह ध्वस्त कर देगा। रेत खदान से उठने वाली भारी धूल स्थानीय निवासियों, बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य के लिए बड़ा खतरा है। ग्रामीणों ने कहा कि यहां पहले से ही कई घर मार्ग से सटे हुए हैं। भारी वाहनों की आवाजाही से घरों में धूल, लोगों को सांस लेने में दिक्कत, मवेशियों को प्रभावित और दुर्घटना का भय लगातार बना रहेगा। ग्रामीणों ने ज्ञापन में उल्लेख किया है कि रेत खदान शुरू होने से सीधे प्रभावित होने वाली आबादी हजारों में है। शिक्षा संस्थान और सार्वजनिक स्थल इसकी जद में आते हैं। ग्रामीणों ने इस निर्णय को गांव के हित के विपरीत बताया है। लोगों ने प्रशासन को चेताया है कि यदि खदान रद्द नहीं हुई तो वे सामूहिक रूप से आंदोलन शुरू करेंगे। आवश्यकता पड़ने पर वे जिला मुख्यालय तक रैली निकालेंगे।

कोयलांचल में हिंदू महासंगम का आयोजन 9 को

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। शहर में धर्म, संस्कृति और सामाजिक एकता का भव्य संगम 9 दिसंबर को बनने जा रहा है। हिन्दू जनजागरण समिति मण्डल बिश्रामपुर द्वारा आयोजित हिन्दू महासंगम के लिए तैयारियां तेज हो चुकी हैं। गौरतलब है कि 9 दिसंबर मंगलवार को दोपहर 1 बजे से दशहरा मैदान केंद्रीय चिकित्सालय के सामने संघ के

शताब्दी वर्ष के अवसर पर बिश्रामपुर खंड में हिंदू महासंगम का विशेष रूप से आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का प्रभाव क्षेत्र बढ़ाने और सामाजिक एकता का संदेश घर-घर पहुंचाने स्वयंसेवक लगातार ग्रामीण क्षेत्रों, कालोनियों और बाजारों में जाकर लोगों को आमंत्रण पत्र बांट रहे हैं। हर घर तक पहुंचने का लक्ष्य लेकर स्वयंसेवक सुबह से शाम तक संपर्क अभियान चला रहे हैं।आयोजकों के अनुसार यह कार्यक्रम केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति, संस्कार और सामाजिक समरसता का महापर्व होगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों के आने की संभावना है। आयोजन समिति ने बताया कि महाभंडारे की विशेष व्यवस्था की गई है। हिन्दू जनजागरण समिति ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे अधिकाधिक संख्या के साथ कार्यक्रम में शामिल होकर इसे सफल बनाएं।

गुणवत्ता पखवाड़ा में केतकी खदान व क्षेत्रीय लैब का निरीक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र में इन दिनों गुणवत्ता सुधार पखवाड़ा पूरे जोर-शोर से चल रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को क्षेत्र की महत्वपूर्ण केतकी खदान और क्षेत्रीय लैब का निरीक्षण उच्च अधिकारियों की टीम द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान खदान संचालन, सुरक्षा मानकों, सैंपल की गुणवत्ता और लैब परीक्षण प्रक्रियाओं की गहन समीक्षा की गई। उच्च अधिकारियों के निरीक्षण दल में विजय कुमार राय मुख्य प्रबंधक गुणवत्ता, हरीश कुमार उप प्रबंधक गुणवत्ता, बसंत लाल राजवाड़े तकनीकी निरीक्षक, क्षेत्रीय गुणवत्ता प्रबंधक अमरेंद्र नारायण सिंह तथा अन्य तकनीकी विशेषज्ञ मौजूद रहे। टीम ने

खदान के विभिन्न सेक्शनों का दौरा किया और उत्पादन कार्य तथा सुरक्षा उपायों के अनुपालन की स्थिति का मूल्यांकन किया। इसके बाद क्षेत्रीय लैब में नमूनों की जांच प्रक्रिया, सटीकता और रिकॉर्डिंग सिस्टम की विस्तृत समीक्षा की गई।निरीक्षण उपरांत टीम लीडर विजय कुमार राय ने गुणवत्ता सुधार पखवाड़ा के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को पुरस्कृत भी किया। पुरस्कार वितरण के समय टीम लीडर ने कहा कि ऐसी पहल न केवल कर्मचारियों में उत्साह बढ़ाती है, बल्कि पूरे क्षेत्र में गुणवत्ता मानकों को और मजबूत करने का मार्ग प्रशस्त करती है। ज्ञात हो कि क्षेत्र में चल रहा यह पखवाड़ा कर्मचारियों और अधिकारियों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। निरीक्षण दल ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह अभियान खदानों की कार्यकुशलता, सुरक्षा और उत्पादन गुणवत्ता को नए स्तर तक ले जाने में सहायक सिद्ध होगा।

धान के अवैध क्रय विक्रय पर लटोरी व करवां में हुई कार्यवाही

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में जिले में शासन के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर एस जयवर्धन के निर्देशन में धान के अवैध क्रय विक्रय पर कड़ी निगरानी की कार्यवाही लगातार जारी है। इसी क्रम में कोचियों एवं बिचौलियों द्वारा अवैध रूप से धान खपाए जाने की आशंका पर त्वरित कार्रवाई करते हुए क्षेत्र के लटोरी व करवां में दो स्थानों से अवैध धान जब्ती की कार्यवाही की गई है। बताया जा रहा है कि संबंधित अधिकारियों की टीम द्वारा ग्राम पंचायत लटोरी में मुंशीपाल सिंह के किसान क्रांति दुकान से 200 बोरी तथा ग्राम पंचायत करवां में जयंत कुमार जायसवाल के गोदाम परिसर से 109 बोरी धान राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग की संयुक्त टीम द्वारा जब्त किया गया है। जब्त किए गए धान एवं संबंधित वाहन पर छत्तीसगढ़ कृषि उपज मंडी अधिनियम के तहत आवश्यक कानूनी कार्यवाही की गई है। बताया जा रहा है कि अब तक सुरजपुर जिले में 35 प्रकरण दर्ज कर 2697 क्विंटल धान जब्त किया गया है।

छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के प्रदेश अध्यक्ष अमित बघेल ने किया सरेंडर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना के प्रदेश अध्यक्ष अमित बघेल ने आज देवेंद्र नगर थाने में सरेंडर कर दिया। सरेंडर के दौरान माहौल तनावपूर्ण हो गया। थाने के बाहर मौजूद लोगों ने उन्हें घेर लिया और उन पर हमला करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने तुरंत हस्तक्षेप कर उन्हें सुरक्षित अंदर ले गई।

सरेंडर के बीच मां का निधन, अंतिम संस्कार की तैयारी

इधर, अमित बघेल की मां का निधन हो गया है। उनका पार्थिव शरीर गृह ग्राम पथरी ले जाया गया है, जहां अंतिम संस्कार की तैयारी चल रही है। उम्मीद है कि बघेल कोर्ट में जमानत याचिका दायर कर अंतिम संस्कार में शामिल होने की अनुमति मांगेंगे।

लगभग दो महीने से थे फरार

अमित बघेल आपत्तिजनक बयान के मामले में करीब दो महीने से फरार थे। इस दौरान राज्यभर में उनकी तलाश जारी रही। मां के निधन के बाद आज उन्होंने सरेंडर का फैसला लिया।

सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद बढ़ा दबाव

26 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने बघेल की अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए कड़ी टिप्पणी की थी। कोर्ट ने कहा था कि वे अपनी जुबान संभालें और ऋकफ के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया का सामना करें। अदालत ने साफ

किया था कि उन्हें किसी तरह की राहत नहीं मिलेगी।

12 राज्यों में दर्ज एफआईआर, 26 दिनों से थे लापता

अमित बघेल पर देश के 12 राज्यों में मामले दर्ज हैं। सुप्रीम कोर्ट पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि पुलिस उन्हें जरूरत पड़ने पर राज्यों के बीच ले जा सकती है और अदालत इस प्रक्रिया में दखल नहीं देगी।

कोर्ट परिसर में सुरक्षा बढ़ाई गई

सरेंडर के बाद शहर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। कोर्ट परिसर और थानों के बाहर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती है। रिमांड प्रक्रिया के लिए भी पूरी तैयारी कर ली गई है।

मूर्ति विवाद और बयान से भड़का था तनाव

27 अक्टूबर को अग्रसेन महाराज और सिंधी समाज के ईष्ट देवता झूलेलाल पर बघेल के विवादित बयान के बाद विवाद बढ़ गया था। इससे ठीक एक दिन पहले रायपुर के श्कढ चौक पर छत्तीसगढ़ महतारी की मूर्ति तोड़ी गई थी, जिसके बाद क्रांति सेना ने हंगामा किया और पुलिस के साथ झड़प हुई। आरोपी को बाद में मानसिक रूप से अस्वस्थ और नशे में पाया गया।

उपार्जन केंद्रों की सुविधा, पारदर्शिता और सुव्यवस्थित प्रक्रिया से किसान संतुष्ट

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में जिले के धान उपार्जन केन्द्रों पर इस बार की सुव्यवस्थित और पारदर्शी व्यवस्था ने किसानों को बड़ी राहत दी है। लुण्ड्रा ब्लॉक अंतर्गत मैहरानी ग्राम पंचायत के किसान निहाल गुप्ता ने धान खरीदी व्यवस्था पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि अब धान विक्रय की प्रक्रिया पहले से कहीं अधिक आसान और सुविधाजनक हो गई है। उन्होंने 56 क्विंटल धान लेकर ससौली धान उपार्जन केन्द्र पहुँचे थे। उन्होंने बताया कि उनका कुल रकबा 112 क्विंटल का है और समिति से पहला टोकन प्राप्त करने में किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं

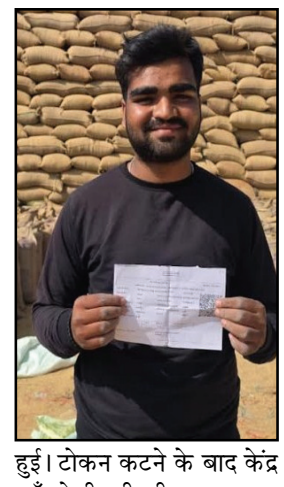

हुई। टोकन कटने के बाद केंद्र पहुँचते ही नमी परीक्षण, गुणवत्ता जाँच और बारदाना उपलब्धता की प्रक्रिया तेजी से और सुचारू रूप से पूरी कर ली गई। उन्होंने कहा कि धान तौलाई पूरी तरह पारदर्शी तरीके से की जा रही है और केंद्र में कर्मचारियों द्वारा किसानों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इससे किसानों का भरोसा धान खरीदी व्यवस्था पर और मजबूत हुआ है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में किसानों को 3100 रुपए प्रति क्विंटल धान का सर्वाधिक मूल्य मिलने से कृषि परिवारों को आर्थिक मजबूती मिल रही है। श्री गुप्ता ने कहा कि यह निर्णय किसानों के हित में महत्वपूर्ण है और इससे उनकी आमदनी में लाभ हो रहा है। छत्तीसगढ़ शासन के निदेर्शानुसार जिले के सभी उपार्जन केंद्रों में किसानों की सुविधा, पारदर्शिता और सुव्यवस्थित प्रक्रिया को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। जिससे किसानों के बीच धान विक्रय को लेकर उत्साह है।

जबरन धर्मांतरण कराने वालों को होगी 10 साल की सजा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बढ़ती जबरन और प्रलोभन आधारित मतांतरण की शिकायतों को देखते हुए विष्णु देव साय सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। सरकार आगामी विधानसभा के शीतकालीन सत्र (14 से 17 दिसंबर) में एक कठोर मतांतरण विरोधी विधेयक पेश करेगी। मुख्यमंत्री बनने के बाद साय द्वारा किए गए वादे को पूरा करने की दिशा में इसे महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। राज्य सरकार ने नया कानून तैयार करने के लिए ओडिशा, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश

समेत नौ राज्यों के धर्म स्वतंत्रता अधिनियमों का अध्ययन किया। पांच पेज के मसौदे में कुल 17 महत्वपूर्ण प्रावधान शामिल किए गए हैं। प्रस्तावित कानून में प्रलोभन, धोखाधड़ी, दबाव या किसी भी तरह की जबरदस्ती से किए गए मतांतरण को अपराध की श्रेणी में रखा गया है। यह नया कानून छत्तीसगढ़ धर्म स्वतंत्रता अधिनियम, 1968 को प्रतिस्थापित करेगा, जिसमें जबरन मतांतरण पर केवल 1 वर्ष की सजा और 5,000 रुपए जुमार्ने का प्रावधान था। राज्य के बस्तर, जशपुर, रायगढ़ जैसे आदिवासी बहुल क्षेत्रों में प्रलोभन देकर ईसाई धर्मांतरण के आरोपों को लेकर लगातार विवाद बढ़ा है। कई जगह पर यह मामला गुटीय संघर्ष का रूप भी ले चुका है, जिससे कानून-व्यवस्था पर असर पड़ा है।

किशोरी को छेड़ा, चाकू से गोदा, फिर पी लिया कीटनाशक

दोनों अस्पताल में भर्ती, एकतरफा प्रेम प्रसंग का मामला, वारदात से क्षेत्र में दहशत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जरही। सूरजपुर जिले के भटगांव थाना क्षेत्र के ग्राम बंशीपुर में बुधवार की शाम सनसनीखेज घटना हुई, जहां एक युवक ने 15 वर्षीय नाबालिग किशोरी पर सब्जी काटने के चाकू से प्राणघातक हमला कर घायल कर दिया। जानकारी के अनुसार रामधारी बरगाह (32 वर्ष) पिता हरलाल बारगाह, निवासी कोरंधा, अपने दो साथियों के साथ खेत पहुंचे, जहां किशोरी अकेले बकरियां चराने गई थी। बताया जा रहा है कि रामधारी शादीशुदा है और उसके दो बच्चे हैं। वह कथित तौर पर किशोरी से छेड़छाड़ कर रहा था। विरोध करने पर आरोपित ने

जेब से चाकू निकाला और किशोरी पर ताबड़तोड़ वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर खेत में गिर पड़ी। किशोरी ने भागने की कोशिश की, लेकिन चाकू के वार झेलते हुए गिर गई। उसके गले और दोनों हथेलियों पर छह से अधिक गहरे वार किए गए, हथेली कट गई और गर्दन पर गहरा जख्म है। घटना के बाद आरोपी और साथी भाग निकले। इस बीच किशोरी की चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे। उधर, पुलिस जब आरोपी की तलाश में कोरंधा पहुंची तो रामधारी ने अपनी जेब से रखा कथित कीटनाशक पिया, और चाकू व कीटनाशक की शीशी फेंककर फरार होने की कोशिश की, पर ग्रामीणों ने उसे अस्पताल पहुंचाया। परिजनों ने घायल किशोरी को पहले स्थानीय अस्पताल पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे अंबिकापुर मिशन अस्पताल रेफर किया गया। दोनों की अस्पताल में भर्ती की पुष्टि हुई है और इलाज जारी है।

सरगुजा संभाग में दो माह में दूसरी वारदात, युवतियां बनरही निशाना

इस घटना से क्षेत्र में सनसनी और आक्रोश है। बताया जा रहा है कि सरगुजा संभाग अंतर्गत दो माह में यह दूसरी वारदात है, जिसमें एकतरफा प्रेम में युवक ने युवती को निशाना बनाया। इससे पहले सरगुजा संभाग मुख्यालय अंबिकापुर में ऐसी ही घटना दशहरा के दिन पेट्रोल पंप में कार्यरत युवती पर भी उसके परिचित युवक ने चाकू से हमला कर हत्या कर दी थी।

मामला दर्ज

पीड़िता के भाई की लिखित शिकायत पर थाना भटगांव पुलिस ने आरोपी रामधारी बरगाह के खिलाफ धारा 109(1) बीएनएस तथा अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की धारा 3(2)(वी) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। क्षेत्र में सुरक्षा और ऐसे मामलों को रोकने पर सवाल उठने लगे हैं। पुलिस मामले की गंभीरता से विवेचना कर रही है।

कांग्रेस नेता की सेंट्रल जेल में मौत पर परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। रायपुर सेंट्रल जेल में बंद कांग्रेस नेता और सर्व आदिवासी समाज के पूर्व जिला अध्यक्ष जीवन ठाकुर की मौत के बाद जिले में तनाव गहरा गया है। मेकाहारा अस्पताल में इलाज के दौरान गुरुवार सुबह उनकी मौत हुई। ठाकुर चारामा के पूर्व जनपद अध्यक्ष थे और वन अधिकार पट्टा घोटाले के मामले में सजा काट रहे थे। जेल प्रशासन का कहना है कि उनकी तबीयत अचानक बिगड़ी और उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। परिजन इस दावे से नाराज हैं और मौत को संदिग्ध बता रहे हैं।

परिजनों ने स्थानांतरण और इलाज की जानकारी छुपाने का आरोप लगाया

परिवार का आरोप है कि 2 दिसंबर को जीवन ठाकुर को कांकेर जिला जेल से रायपुर सेंट्रल जेल बिना किसी सूचना के शिफ्ट किया गया, जबकि उनकी तबीयत पहले से खराब थी। परिजनों के मुताबिक, उन्हें न तो जेल बदलने की सूचना दी गई, न ही तबीयत बिगड़ने की। बताया जा रहा है कि 4 दिसंबर की सुबह 4:20 बजे ठाकुर को डॉ. भीमराव अंबेडकर अस्पताल में भर्ती कराया गया और सुबह 7:45 बजे उनका निधन हो गया। परिवार को मौत की जानकारी शाम लगभग 5 बजे दी गई। परिजनों ने इसे गंभीर लापरवाही और जिम्मेदारी से बचने की कोशिश बताया है।

आक्रोशित आदिवासी समाज ने थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन

आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों और परिवारजनों ने चारामा थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपते हुए जेल प्रशासन पर लापरवाही, अत्याचार और हत्या का आरोप लगाया है। समाज के नेताओं का कहना है कि यदि ठाकुर की तबीयत लगातार बिगड़ रही थी तो समय रहते सही इलाज क्यों नहीं दिया गया।

दीपक बैज ने सरकार और जेल प्रशासन को बताया जिम्मेदार

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने घटना को गंभीर लापरवाही बताया है। उनके अनुसार जीवन ठाकुर को कांग्रेस सरकार में वैध वन अधिकार पट्टा मिला था, जिसे मौजूदा सरकार ने फर्जी घोषित कर उन पर मामला दर्ज किया। बैज ने कहा कि जेल में न तो समय पर खाना दिया गया और न ही इलाज। उनका आरोप है कि यह केवल लापरवाही नहीं बल्कि जानबूझकर की गई क्रूरता है। दीपक बैज ने कहा कि आदिवासी समाज में तीखा आक्रोश है और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच जरूरी है। उन्होंने बताया कि वह अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए कांकेर जा रहे हैं और आदिवासी नेताओं के साथ आगे की रणनीति पर चर्चा करेंगे। इस घटना ने रायपुर से लेकर कांकेर तक माहौल को गर्म कर दिया है और मामले की जांच की मांग तेज हो गई है।

चाकू की नोक पर शादीशुदा-महिला से 3 दिनों तक रेप

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायगढ़। एक युवक ने शादीशुदा महिला (26) को बंधक बनाकर 3 दिनों तक रेप किया। चाकू की नोक पर पहले उसे अगवा किया। मुंह को कपड़े से बांधकर रातभर स्कूल के बाथरूम के पीछे रखा। झाड़ियों में ही उसे जबरदस्ती की। इसके बाद जान से मारने की धमकी देकर किराए के रूम में ले गया। सेक्स करने से मना किया तो परिवार को जान से मारने की धमकी दी। उसे मारा-पीटा। महिला के आंख और चेहरे पर गंभीर चोट आई है। पीड़िता की रिपोर्ट पर महिला थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक सहेली के जरिए भगवानपुर में रहने वाले दीपक दास मानिकपुरी (29) से जान पहचान हुई। जबकि सहेली ने बात करना बंद कर दिया तो युवक महिला से बातचीत करने लगा। लेकिन उसने मना कर दिया। बाद में उसे अकेला पाकर चाकू की नोक पर रोका और किराए के मकान में ले गया और रेप किया। प्रताड़ना से तंग आकर पीड़िता ने युवक के साथ रहने की बात कही। इसके बाद युवक उसे बाहर खाना खिलाने ले गया। इस दौरान महिला भाग निकली और थाने पहुंची। महिला ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। उसने बताया गया कि भगवानपुर में रहने वाला दीपक दास मानिकपुरी (29) सहेली के घर आता-जाता था। कई बार सहेली ने महिला के मोबाइल से दीपक से बातचीत करती थी। बाद में सहेली ने दीपक दास से बातचीत बंद कर दी। इसके बाद दीपक ने महिला के मोबाइल पर कॉल कर उससे बातचीत करने लगा। जब महिला ने उससे बात करने से मना किया, तो वह उसे परेशान करने लगा। इसके बाद 28 नवंबर को शाम करीब 5 बजे वह काम से घर लौट रही थी। इस दौरान दीपक दास स्कूल के पास आ गया और चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी दी और मारपीट करने लगा।

जिले की सभी समितियों में एग्रीस्टैक यूएफआर के लिए 08 दिसंबर शिविर आयोजित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। जिले में एग्रीस्टैक में लंबित खसरा प्रविष्टि को पूर्ण करने हेतु 05 से 08 दिसंबर तक जिलेभर की सभी समितियों में विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में बड़ी संख्या में किसानों के रकबे अपडेट नहीं हो पाए थे, जिसके चलते 45,187 खसरे यूएफआर के लिए लंबित पाए गए हैं। कलेक्टर विलास भोसकर ने निर्देश जारी करते हुए कहा है कि इन शिविरों का उद्देश्य किसानों के सभी लंबित खसरों की समयबद्ध और शत-प्रतिशत ऑनलाइन प्रविष्टि सुनिश्चित करना है। उन्होंने सभी पटवारियों, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों, समिति प्रबंधकों और सीएससी कर्मियों को शिविर के दौरान अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

किसानों की सुविधा को ध्यान में रखकर लगाए जा रहे शिविर

इन चार दिवसीय शिविरों में किसान बिना किसी परेशानी के अपना एग्रीस्टैक यूएफआर करा सकेंगे। शिविरों में नमीकरण, खसरा सत्यापन, रेकॉर्ड सुधार और ऑनलाइन प्रविष्टि से संबंधित सभी कार्य एक ही स्थान पर किए जाएंगे, ताकि किसानों को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। ऑनलाइन प्रविष्टि को तेजी से पूरा करने के लिए समितियों में सीएससी केंद्रों और तकनीकी स्टाफ की भी विशेष व्यवस्था की गई है। तहसीलवार लंबित खसरा में लखनपुर 9635, उदयपुर 2540, मैनपाट 7435, दरिमा 3237, धौरपुर 9293, सीतापुर 5772, अंबिकापुर 2820, बतौली 4455 कुल 45,187 खसरा लंबित है कलेक्टर ने निर्देशित किया कि शिविर अवधि के भीतर सभी प्रविष्टियां पूरी कर ली जाएं, ताकि धान खरीदी और अन्य योजनाओं में किसानों को किसी प्रकार की बाधा न आए। जिला प्रशासन ने सभी किसानों से अपील की है कि वे अपने संबंधित समिति शिविर में पहुंचकर एग्रीस्टैक में लंबित यूएफआर जल्दी से जल्दी पूरा करवाएं, जिससे उनका रकबा अद्यतन रहे और भविष्य की प्रक्रियाएं सुचारू रूप से जारी रहें।

सरगुजा जिले में अब तक साढ़े 3 लाख क्विंटल से अधिक अधिक धान की खरीदी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर।छत्तीसगढ़ शासन के निदेर्शानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत सरगुजा जिले के 54 धान उपार्जन केन्द्रों में धान खरीदी सुचारू एवं तीव्र गति से जारी है। जिलेभर में किसानों द्वारा सर्वाधिक मूल्य पर धान बेचने में उत्साह देखा जा रहा है, जिससे खरीदी प्रक्रिया ने रफ्तार पकड़ी ली है। जिला खाद्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक तकरीबन 353393.20 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है। इस वर्ष जिले में 59076 किसान पंजीकृत हैं, जिन्हें 54 उपार्जन केंद्रों में सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी व्यवस्थाओं के माध्यम से धान बेचने की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। आज 5 दिसंबर 2025 की तारीख में 760 किसानों ने समिति से और 315 किसानों ने तुंहर टोकन ऐप से कुल 1075 किसानों ने धान विक्रय के लिए कटाया। जिले के 54 धान उपार्जन केंद्रों में बारदाना की उपलब्धता, इलेक्ट्रॉनिक तुलाई,नमी परीक्षण, टोकन वितरण, माइक्रो एटीएम जैसी आवश्यक व्यवस्थाओं को मजबूत किया गया है। किसानों को किसी प्रकार की समस्या न हो, इसके लिए निरंतर निगरानी और निरीक्षण भी किया जा रहा है।सरकार द्वारा जारी निदेर्शों के अनुरूप प्रत्येक केंद्र में निगरानी समितियों की सक्रियता और डिजिटल प्रक्रियाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। तुंहर टोकन ऐप जैसे डिजिटल माध्यमों से किसान घर बैठे टोकन प्राप्त कर रहे हैं, जिससे समय और श्रम दोनों की बचत हो रही है।जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि जिले में धान खरीदी और अधिक गति पकड़ रही है। किसानों को समर्थन मूल्य पर व्यवस्थित ढंग से धान बेचने के लिए लगातार प्रेरित किया जा रहा है।

जिले में अब तक साढ़े 3 लाख क्विंटल से अधिक अधिक धान की खरीदी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ शासन के निदेर्शानुसार खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के अंतर्गत सरगुजा जिले के 54 धान उपार्जन केन्द्रों में धान खरीदी सुचारू एवं तीव्र गति से जारी है। जिलेभर में किसानों द्वारा सर्वाधिक मूल्य पर धान बेचने में उत्साह देखा जा रहा है, जिससे खरीदी प्रक्रिया ने रफ्तार पकड़ी ली है। जिला खाद्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक तकरीबन 353393.20 क्विंटल धान की खरीदी की जा चुकी है। इस वर्ष जिले में 59076 किसान पंजीकृत हैं, जिन्हें 54 उपार्जन केंद्रों में सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी व्यवस्थाओं के माध्यम से धान बेचने की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। आज 5 दिसंबर 2025

की तारीख में 760 किसानों ने समिति से और 315 किसानों ने तुंहर टोकन ऐप से कुल 1075 किसानों ने धान विक्रय के लिए कटाया।

किसानों की सुविधा के लिए बेहतर व्यवस्थाएं

जिले के 54 धान उपार्जन केंद्रों में बारदाना की उपलब्धता, इलेक्ट्रॉनिक तुलाई,नमी परीक्षण, टोकन वितरण, माइक्रो एटीएम जैसी आवश्यक व्यवस्थाओं को मजबूत किया गया है। किसानों को किसी प्रकार की समस्या न हो, इसके लिए निरंतर निगरानी और निरीक्षण भी किया जा रहा है।

खरीदी में पारदर्शिता और सुगमता पर जोर

सरकार द्वारा जारी निदेर्शों के अनुरूप प्रत्येक केंद्र में निगरानी समितियों की सक्रियता और डिजिटल प्रक्रियाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। तुंहर टोकन ऐप जैसे डिजिटल माध्यमों से किसान घर बैठे टोकन प्राप्त कर रहे हैं, जिससे समय और श्रम दोनों की बचत हो रही है।

सम्पादकीय

पुतिन का भारत दौरा ट्रंप को कड़ा संदेश

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन गुरुवार से दो द्विवसीय दौरे पर भारत आ रहे हैं। उनकी यह यात्रा कई मायनों में काफी अहम मानी जा रही है। उनका यह दौरा जहां यूक्रेन युद्ध और एशिया में शक्ति संतुलन के लिए खास माना जा रहा है, वहीं यह एक तरह से अमेरिका को भी कड़ा संदेश है। चूंकि भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद अमेरिका ने पाकिस्तान को ज्यादा तवज्जो दी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई बार पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ असीम मुनीर से व्हाइट हाउस में मुलाकात कर चुके हैं, जबकि भारत को लेकर ट्रंप की तरफ से हमेशा नकारात्मक बयान ही सामने आ रहे हैं। हाल ही में ट्रंप ने रूस से कच्चा तेल खरीदने को लेकर भी भारत पर 50 फीसदी टैरिफ भी लगा दिया था, जो अमेरिका के किसी भी देश पर लगाए गए टैरिफ में सबसे ज्यादा है। वहीं, भारत रूस से तेल न खरीदे, इसके लिए भी दबाव बनाया गया। ऐसे समय में पुतिन की भारत यात्रा को अमेरिका के लिए जवाब के तौर भी देखा जा रहा है। पुतिन के दौरे को देखते हुए राजधानी दिल्ली हाईअलर्ट पर है। दूसरी तरफ, पुतिन के आने से पहले ही भारत को एक खुशखबरी देते हुए रूस की संसद के निचले सदन स्टेट डूमा ने भारत के साथ हुए महत्वपूर्ण सैन्य समझौते रेसिप्रोकल सपोर्ट ऑफ लॉजिस्टिक सपोर्ट (आरईएलओएस) को भी मंजूरी दे दी। यह निर्णय राष्ट्रपति की होने वाली नई दिल्ली यात्रा से ठीक पहले लिया गया है, जिसे द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है। भारत और रूस के संबंधों का अपना एक इतिहास है। 1971 की भारत–सोवियत मैत्री संधि दोनों देशों की दोस्ती का सबसे बड़ा उदाहरण है। इतना ही नहीं, रूस ने हमेशा से ही भारत को सैन्य तकनीक और हथियार देने में संकोच नहीं किया। रूस ने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में सहयोग तो किया ही है, साथ ही ऊर्जा क्षेत्र में दोनों देशों की साझेदारी बेहद अहम है। दुनिया बदली है, दोस्त बदले हैं लेकिन भारत और रूस के बीच पुराने कूटनीतिक रिश्तों का भरोसा आज भी साफ नजर आता है। पुतिन की यात्रा के दौरान भारत-रूस के बीच ब्रह्मोस के नए वेरिएंट पर समझौते के साथ-साथ एस-500 एयर डिफेंस सिस्टम पर भी चर्चा संभव है। दोनों देश नए हेलीकॉप्टर, फाइटर जेट, परमाणु ऊर्जा, चिप्स, आईटी, साइबर सुरक्षा में सहयोग बढ़ाने पर भी समझौते कर सकते हैं। रूस और भारत के संबंध आजमाए और परखे हुए हैं। कई मौकों पर रूस भारत के साथ मजबूती से खड़ा रहा है। बदलते वक्त के दौर में भी भारत और रूस एक-दूसरे के बेहद करीब आए हैं। पीएम नरेंद्र मोदी ने कुछ माह पहले रूस की यात्रा की थी। इस दौरान पुतिन के साथ उनकी गजब केमिस्ट्री देखने को मिली थी। मोदी ने उन्हें अपना सबसे करीबी दोस्त बताया था। रक्षा से लेकर व्यापार, स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप तक में दोनों देश हमेशा एक-दूसरे के साथ रहे हैं। पुतिन का भारत आना इस रिश्ते की और मजबूती का संकेत देता है। उनकी यात्रा से संदेश साफ है कि रूस आज भी एशिया में अपने सबसे पुराने दोस्त के साथ मजबूती के साथ खड़ा है और संबंधों को गहरा करना चाहता है। यह समय ऐसा है जब पश्चिमी देशों के साथ रूस के संबंध सामान्य नहीं कहे जा सकते हैं। ऐसे समय में एशिया और उसमें भी खासकर भारत-रूस की दोस्ती का महत्व और भी बढ़ जाता है।

सिपरी रिपोर्ट
सुनील कुमार महला

हथियारों की होड़ से मानवता पर खतरा

> आज के समय में दुनियाभर में बढ़ते हथियारों का जखीरा केवल सुरक्षा का ही सवाल नहीं है, बल्कि यह मानवता के भविष्य पर एक गंभीर खतरा भी है। कोई भी देश हथियार इसलिए खरीदते हैं, ताकि वे अपनी सीमाओं की रक्षा कर सकें, रणनीतिक बढ़त बनाए रख सकें और बदलते भू-राजनीतिक हालात में खुद को एक मज़बूत राष्ट्र दिखा सकें, लेकिन यही हथियारों की दौड़ कई बार तनाव बढ़ाकर युद्धों की जमीन तैयार करती है,जोकि ठीक नहीं है। इससे बड़े पैमाने पर विस्थापन, भूख और मानवीय संकट पैदा हो रहे हैं। विश्व समुदाय को हथियारों की इस अंधाधुंध दौड़ को रोकने के लिए गंभीर प्रयास करने होंगे, ताकि मानवता को बड़े संकट से बचाया जा सके।

दुनिया में हथियारों की बिक्री लगातार बढ़ रही है। वास्तव में, आज के समय में दुनियाभर में बढ़ते हथियारों का जखीरा केवल सुरक्षा का ही सवाल नहीं है , बल्कि यह मानवता के भविष्य पर एक गंभीर खतरा भी है। कोई भी देश हथियार इसलिए खरीदते हैं, ताकि वे अपनी सीमाओं की रक्षा कर सकें, रणनीतिक बढ़त बनाए रख सकें और बदलते भू-राजनीतिक हालात में खुद को एक मज़बूत राष्ट्र दिखा सकें, लेकिन यही हथियारों की दौड़ कई बार तनाव बढ़ाकर युद्धों की जमीन तैयार करती है,जोकि ठीक नहीं है। कहना ग़लत नहीं होगा कि हथियारों पर होने वाला भारी खर्च शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छ पानी, जलवायु संरक्षण और रोजगार जैसे बुनियादी क्षेत्रों से धन को खींच लेता है, और इसका असर कहीं न कहीं देश के विकास और अर्थव्यवस्था व इसके निवासियों पर भी पड़ता है। क्या यह बड़ी बात नहीं है कि आज के समय में दुनिया के विभिन्न शक्तिशाली व संपन्न देश इसका इस्तेमाल अपने आर्थिक लाभ, वैश्विक प्रभाव दिखाने और उद्योगों में बढ़त के लिए करते हैं, जबकि छोटे देश किसी दबाव में आकर या सुरक्षा के डर से हथियारों की इस अंधी दौड़ में शामिल हो जाते हैं।

इसका नतीजा यह है कि दुनिया एक ऐसी दिशा में बढ़ रही है, जहां भरोसा कम और अविश्वास ज्यादा है। वास्तव में, यह बात ठीक है कि हथियार किसी देश को सुरक्षा दे सकते हैं, लेकिन स्थायी शांति नहीं। असली सुरक्षा संवाद, विश्वास, सहयोग और संतुलित विकास से मिलती है, न कि विनाशकारी हथियारों की बढ़ती संख्या से। वास्तव में, यह इसलिए दुनिया का खतरनाक कदम है, क्योंकि यह मानवता को सुरक्षा नहीं, बल्कि असुरक्षा की ओर धकेल रहा है। हथियारों की होड़ अंततः दुनिया में असंतुलन पैदा करती है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की नई रिपोर्ट बताती है कि दुनिया में हथियारों की बिक्री लगातार बढ़ रही है। सरल शब्दों में कहें तो दुनिया भर में हथियारों की खरीद-फरोख्त लगातार बढ़ रही है, और यह कोई अच्छी खबर नहीं है। रिपोर्ट बताती है कि कई देशों के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। कहीं सीमा विवाद है, कहीं शक्ति दिखाने की होड़, तो कहीं सुरक्षा का डर। दुनिया में इस समय कई देशों के बीच तनाव तेजी से बढ़ रहा है। एशिया में भारत-चीन के बीच लंबे समय से सीमा विवाद बना हुआ है, जो समय-समय पर सैनिक तैनाती और गश्त के कारण फिर उभर जाता है। भारत-पाकिस्तान के बीच कश्मीर और सीमा पार आतंकवाद को लेकर रिश्ते लगातार तनावपूर्ण रहते हैं और कूटनीतिक संबंधों में उतार-चढ़ाव चलता रहता है। चीन-ताइवान के बीच स्थिति सबसे संवेदनशील है, जहां चीन ताइवान पर दबाव बढ़ाने के लिए सैन्य अभ्यास और शक्ति-प्रदर्शन कर रहा है, जबकि ताइवान अपनी रक्षा क्षमता बढ़ा रहा है। ईरान-इज़राइल के बीच हमलों और जवाबी हमलों के कारण पश्चिम एशिया में अस्थिरता बढ़ी हुई है। वहीं आर्मेनिया-अज़रबैजान के बीच नगार्नो-काराबाख को लेकर पुराना सीमा विवाद अभी भी पूरी तरह शांत नहीं हुआ। मध्य एशिया में भी अफगानिस्तान की सीमा को लेकर ताजिकिस्तान और रूस मिलकर सुरक्षा मजबूत करने की बात कर रहे हैं। इधर, रूस-यूक्रेन तनाव आज भी बेहद गंभीर रूप में बना हुआ है। हाल की शांति-वार्ताएं भी किसी नतीजे पर नहीं पहुँच पाई हैं, क्योंकि रूस अपनी

शर्तों पर अड़ा है और पश्चिमी देश यूक्रेन की संप्रभुता पर समझौता नहीं करना चाहते। इसी बीच मिसाइल हमलों, भू-भाग पर कब्जे की कोशिशों और कूटनीतिक आरोप-प्रत्यारोप ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। यह संघर्ष न केवल यूरोप बल्कि पूरी दुनिया की राजनीति, सुरक्षा और अर्थव्यवस्था पर असर डाल रहा है।

कुल मिलाकर, सीमा विवादों, सैन्य तैयारियों, शक्ति दिखाने की होड़ और भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा ने कई क्षेत्रों को बेहद संवेदनशील और अस्थिर बना दिया है। यही कारण है कि आज विभिन्न देश आधुनिक और महंगे हथियार खरीदने में बड़ी रकम लगा रहे हैं। इससे हथियार बनाने वाली कंपनियों का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन दुनिया के लिए खतरे भी बढ़ रहे हैं। समस्या यह है कि जितने ज्यादा हथियार जुटाए जाते हैं, उतनी ही ज्यादा टकराव या युद्ध की आशंका पैदा होती है। साथ ही सरकारों का पैसा रक्षा खरीद में खर्च होने लगता है, जिससे जरूरी क्षेत्रों पर कम ध्यान जाता है। यानी सुरक्षा के नाम पर खर्च तो बढ़ता है, लेकिन असुरक्षा भी कम नहीं होती। रिपोर्ट हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हथियारों पर बढ़ती निर्भरता वास्तव में शांति लाएगी या दुनिया को और ज्यादा तनाव और खतरे की ओर धकेल देगी। सरल शब्दों में कहें तो दुनिया की सबसे बड़ी 100 हथियार बनाने वाली कंपनियों ने पिछले साल से लगभग 6% ज्यादा पैसा कमाया है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि हाल के समय में कई जगह लड़ाइयां और तनाव लगातार बढ़े हैं, जैसे यूक्रेन युद्ध और गाजा संघर्ष। जब कहीं युद्ध होता है या किसी देश को खतरा महसूस होता है, तो वे अपनी सुरक्षा बढ़ाने के लिए ज्यादा हथियार खरीदते हैं।

इसी वजह से हथियारों की मांग तेजी से बढ़ गई और कंपनियों की बिक्री भी बढ़ी। जितना ज्यादा तनाव और युद्ध, उतनी ही ज्यादा हथियारों की खरीद, और उतनी ही ज्यादा कंपनियों की कमाई। सिपरी की ताज़ा रिपोर्ट बताती है कि दुनिया की 100 सबसे बड़ी रक्षा कंपनियों ने 2024 में कुल 679 अरब डॉलर कमाए, जो यह दिखाता है कि वैश्विक स्तर पर युद्ध और तनाव अब एक भारी-भरकम कारोबार बन चुके हैं। यूक्रेन, गाजा और पूर्वी एशिया में बढ़ते संघर्षों ने हथियारों की मांग को तेजी से बढ़ाया है, जिसके चलते युद्धों का व्यावसायीकरण और कॉरपोरेट कंपनियों की भूमिका और मजबूत हो रही है। रिपोर्ट यह भी दर्शाती है कि पश्चिम एशिया अब एक नया हथियार उत्पादक क्षेत्र बनकर उभर रहा है, जिससे वैश्विक सैन्य उत्पादन में विविधता आई है। भारत की तीन कंपनियां क्रमशः हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स भी इस सूची में शामिल हैं, और घरेलू मांग के कारण इनकी संयुक्त आयुध कमाई 8.2 प्रतिशत बढ़कर 7.5 अरब डॉलर हो गई है। सिपरी का आकलन बताता है कि भविष्य में हथियारों की बिक्री और बढ़ने की संभावना है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय तनाव कम होने के बजाय बढ़ रहा है, और देश ड्रोन व अत्याधुनिक रक्षा तकनीकों पर भारी निवेश कर रहे हैं। यह बढ़ती सैन्य होड़ न केवल शांति के लिए खतरा है, बल्कि विकास, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों से संसाधन हटाकर वैश्विक असमानताओं, भुखमरी, जलवायु संकट और अस्थिरता को भी बढ़ावा दे रही है। युद्धों और संघर्षों के कारण लाखों लोग विस्थापन, अकाल और मानवीय त्रासदियों का सामना कर रहे हैं।

दूसरे शब्दों में कहें तो आज युद्धों और संघर्षों के कारण दुनिया भर में लाखों लोग अपने घर, जमीन और रोजगार से बेदखल हो रहे हैं। इससे बड़े पैमाने पर विस्थापन, भूख और मानवीय संकट पैदा हो रहे हैं। रिपोर्ट यह संकेत देती है कि विश्व समुदाय को हथियारों की इस अंधाधुंध दौड़ को रोकने के लिए गंभीर प्रयास करने होंगे, ताकि मानवता को बड़े संकट से बचाया जा सके।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

नौसेना दिवस

आरके जैन

सफेद वर्दी में चमकता है भारत का गर्व, साहस और स्वाभिमान

जब समुद्र की लहरें तेजी से उठती हैं और युद्धपोतों की गड़गड़ाहट आसमान तक गूंजती है, तब पूरा भारत गर्व से भर उठता है-यही है नौसेना दिवस की सच्ची शक्ति। 4 दिसंबर का यह खास दिन वह पल है जब देश अपने समुद्री वीरों को दिल से सलाम करता है। यह कोई साधारण तारीख नहीं, बल्कि 1971 के भारत-पाक युद्ध की वह यादगार रात है जब भारतीय नौसेना ने कराची बंदरगाह पर ऐसा वार किया कि दुश्मन संभल ही नहीं पाया। ऑपरेशन ट्राइडेंट, जिसका नाम सुनते ही रोमांच दौड़ जाए। पहली बार किसी एशियाई देश ने एंटी-शिप मिसाइलों का इस्तेमाल किया, चार पाकिस्तानी जहाज डूब गए, कराची का बंदरगाह जल उठा और उनकी नौसेना बिखरकर रह गई। यह सिर्फ जीत नहीं, बल्कि समुद्री युद्ध के इतिहास में लिखा गया एक चमकता हुआ अध्याय था। तभी से 4 दिसंबर भारतीय नौसेना दिवस के रूप में पूरे देश में गर्व के साथ मनाया जाता है। लेकिन यह दिन सिर्फ इतिहास की वीरगाथा नहीं सुनाता, यह वर्तमान की ताकत और भविष्य की तैयारी का भी प्रमाण है। भारतीय नौसेना आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी और सबसे सक्षम नौसेनाओं में शुमार है। 67000 से ज्यादा जांबाज सैनिक, 150 से अधिक युद्धपोत, 250 से भी अधिक विमान और पनडुब्बियां- ये सिर्फ संख्या नहीं, बल्कि हिंद महासागर में भारत की संप्रभुता का दस्तावेज है। देश का पहला स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत जब समुद्र में उतरा, तब पूरी दुनिया ने देखा कि भारत अब सिर्फ खरीदार नहीं, बल्कि खुद अपनी शक्ति गढ़ने वाला राष्ट्र है। वहीं, आईएनएस अरिहंत ने जब परमाणु त्रिशूल पूरा किया, तो बड़े-बड़े देश भी भारत की क्षमता के आगे गंभीर हो गए। बैलिस्टिक मिसाइलों से लैस यह पनडुब्बी दुश्मन के लिए साफ संदेश है। भारत की ओर आंख उठाई, तो कीमत भी चुकानी पड़ेगी और जवाब भी ऐसा मिलेगा कि याद रखना मुश्किल हो जाएगा। हिंद महासागर में भारतीय नौसेना आज सिर्फ रक्षक नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र का संतुलन संभालने वाली शक्ति है। मालदीव संकट में जब ऑपरेशन कैक्टस चला, श्रीलंका में आईपीकेएफ के दौरान जब नौसेना ने मानवीय मदद पहुंचाई, सुनामी की तबाही में जब हजारों जानें बचाईं, और हाल ही में ऑपरेशन राहत व ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जब युद्धग्रस्त देशों से भारतीयों को सुरक्षित घर लाया गया, हर बार नौसेना ने साबित किया कि उसकी जिम्मेदारी केवल समुद्र की सुरक्षा तक सीमित नहीं है। उसकी पहुंच वहां तक है, जहां तक भारत का एक भी नागरिक मौजूद है, चाहे वह दुनिया के किसी भी कोने में क्यों न हो। क्वाड का मजबूत सदस्य बनकर, मालाबार अभ्यास में अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ कदम मिलाकर, फ्रांस के साथ वरुण अभ्यास में अपनी क्षमता दिखाकर, और रूस के साथ इंद्रा नौसैनिक अभ्यास में हिस्सा लेकर भारत ने दुनिया को साफ संदेश दे दिया है, हिंद महासागर में दबाव, धमकी या दादागिरी नहीं चलेगी। आईएनएस विक्रमादित्य, आईएनएस चक्र, ब्रह्मोस से लैस स्टील्थ फ्रिगेट्स और पी-8 आई पोसाइडन विमान सिर्फ हथियार नहीं, बल्कि भारत की दृढ़ इच्छाशक्ति और समुद्री शक्ति के चमकते प्रतीक हैं। लेकिन नौसेना की सच्ची शक्ति उसके लोहे के जहाजों में नहीं, बल्कि उन सफेद वर्दी वाले वीरों में बसती है। वे ही हैं जो महीनों अपने परिवार से दूर रहते हैं; जब तूफान जहाज को झकझोरता है, नीचे अथाह समुद्र और ऊपर दुश्मन की नजर होती है, फिर भी उनके चेहरे पर मुस्कान रहती है। वे समुद्र की गोद में रातें काटते हैं, ताकि करोड़ों भारतीय चैन से सो सकें। उनकी आँखों में गहराई है, दिल में देशभक्ति की गर्मी और हाथों में अजेय साहस। और उनके पीछे खड़ी होती हैं वे माएँ जो बेटे के जहाज पर चढ़ते ही आशीर्वाद देती हैं, वे पत्नियां जो हर तूफान में प्रार्थना करती हैं, वे बच्चे जो दिन गिनते रहते हैं। यही मौन शक्ति नौसेना को अपराजेय बनाती है। हर साल नौसेना दिवस पर जब गेटवे ऑफ इंडिया के सामने जहाज सलामी देते हैं, जब मिग-29 के आसमान को चीरते हुए दहाड़ते हैं, जब काले परिधान में मार्कोस कमांडो अपने रोमांचक करतब दिखाते हैं, तब हर भारतीय का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। पर यह गर्व सिर्फ उस पल तक सीमित नहीं रहना चाहिए। हमें याद रखना चाहिए कि यह नीली सीमा हमें यूं ही नहीं मिली, इसे वीरों ने अपने जीवन से सुरक्षित किया है। यह केवल जश्न मनाने का अवसर नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने का पल है। इस नौसेना दिवस पर हमें केवल ताली बजाकर आगे नहीं बढ़ जाना चाहिए। हमें अपने बच्चों को उन जांबाज़ों की गाथाएं सुनानी चाहिए, जिनकी सफेद वर्दी में भारत का गर्व, साहस और स्वाभिमान चमकता है। जय हिंद। जय भारतीय नौसेना।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

कर्तव्य और अधिकार एक सिक्के के दो पहलू

सामान्य तौर पर हम अधिकार एवं कर्तव्य की बात करते हैं। जबकि वास्तव में होना चाहिए कर्तव्य और अधिकार। व्यक्ति को पहले अपना कर्तव्य करना चाहिए। फिर अपने अधिकारों की बात करनी चाहिए। जब हम अधिकारों की बात करते हैं तो यह भूल जाते हैं कि हमारे कुछ कर्तव्य भी हैं। यह विडंबना है कि संविधान में भी कर्तव्यों को बाद में जोड़ा गया। जब कर्तव्य और अधिकार एक सिक्के के दो पहलू हैं, तो हम हमेशा अधिकार पर ही क्यों रुक जाते हैं? कर्तव्य हमें अपनी नैतिक जिम्मेदारी का अहसास कराते हैं तो अधिकार हमारे जागरूक होने का प्रमाण प्रस्तुत करते हैं। यदि हम जागरूक हैं तो फिर जिम्मेदार क्यों नहीं? अगर परिवार, समाज और देश में समृद्धि और शांति लाना चाहते हैं तो हर नागरिक को पहले अपने कर्तव्य पर ध्यान देना होगा। केवल अधिकारों की बात कर उसकी आड़ में हम अपने कर्तव्यों को अनदेखा न करें। हम ईमानदारी से कर्तव्य करते रहेंगे तो अधिकार स्वतः ही प्राप्त हो जाएंगे, क्योंकि वह कर्तव्यों में ही निहित है। कर्ण की कर्तव्य के प्रति निष्ठा सर्वविदित है। गीता में श्रीकृष्ण ने अर्जुन ही नहीं, बल्कि मनुष्य मात्र को यह उपदेश दिया है कि 'कर्म करो और फल की इच्छा मत करो।' जब इच्छित फल की हमें प्राप्ति नहीं होती है तो हमें दुख होता है। अतः सुखी रहना है तो सिर्फ कर्म करें और वह भी निष्काम भाव से। कर्तव्यों में कर्म है और कर्म करना ही मनुष्य की पहचान है। यही कर्म पुण्य के माध्यम से हमें स्वर्ग के द्वार तक पहुंचाते हैं।

संकलित
दर्शन

व्यक्ति की अच्छी बातों को याद कर जीवन में उतारें

महाभारत में श्रीकृष्ण की मदद से पांडवों ने कौरवों को पराजित कर दिया था, इसके बाद युधिष्ठिर राजा बन गए। महाभारत युद्ध के बाद जब श्रीकृष्ण द्वारका पहुंचे तो कुछ समय बाद यदुवंशी आपस में लड़कर मारे गए। जब श्रीकृष्ण का अपने धाम लौटने का समय आया तो उन्होंने अपना अंतिम ज्ञान उद्धव को दिया था। उद्धव श्रीकृष्ण के काका के बेटे थे और बहुत विद्वान थे। उद्धव ने श्रीकृष्ण से कई प्रश्न पूछे और भगवान ने सभी प्रश्नों के उत्तर दिए। जब उद्धव श्रीकृष्ण की बातों से संतुष्ट हो गए तो श्रीकृष्ण ने कहा कि उद्धव, अब मैं अपने धाम जाऊंगा यानी मैं इस संसार को छोड़कर जाने वाला हूं। अब तुम्हें भी मुझसे विदा होना होगा। ये बात सुनकर उद्धव दुखी हुए और उन्होंने श्रीकृष्ण का हाथ पकड़ लिया और कहा कि आप इस तरह मुझे छोड़कर नहीं जा सकते, मैं भी आपके साथ चलूंगा। श्रीकृष्ण ने उद्धव को समझाते हुए कहा कि इस दुनिया में सभी अकेले आते हैं और अकेले ही जाते हैं। इतना कहने के बाद श्रीकृष्ण ने अपनी चरण पादुकाएं उद्धव को भेंट में दे दीं और कहा, इस भेंट को याद रखना और अब तुम बद्रीकाश्रम चले जाओ। बद्रीनाथ के पर्वतों पर मैंने तुम्हें जो बातें बताई हैं, उन बातों का चिंतन करना। ये पादुकाएं तुम्हें मेरी अच्छी बातें याद दिलाएंगी। जो ज्ञान मैंने तुम्हें दिया है, उसका लोगों के हित में सही उपयोग करना। श्रीकृष्ण की ये बातें सुनकर उद्धव वहां से चले गए। इसके कुछ समय बाद जरा नाम के शिकारी का बाण श्रीकृष्ण के पैर के तलवे पर लगा। इसके बाद श्रीकृष्ण अपने धाम लौट गए।

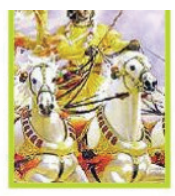

संकलित
प्रेरणा

अंतर्मन

आज की पाती

ममता का सार्वजनिक अपमान

हाल ही में उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में वृद्धाश्रम में रह रही शोभा देवी के निधन के बाद जब बेटे को सूचना दी गई, तो उसने मां का शव लेने से साफ इनकार कर दिया। बेटे ने कहा कि घर में शादी है। शव आने से अपशगुन होगा। फ्रीजर में रखवा दीजिए, बाद में देख लेंगे। घंटों तक मां का पार्थिव शरीर वृद्धाश्रम में ही पड़ा रहा। अंततः प्रशासन ने हस्तक्षेप कर अंतिम संस्कार करवाया। इस घटना ने मां के जीवन भर के त्याग, ममता, समर्पण और प्रेम का मानो सार्वजनिक अपमान कर दिया। यह प्रसंग केवल एक परिवार की असफलता नहीं, बल्कि सभ्यता की आत्मा पर लगा सबसे बड़ा प्रश्नचिह्न है। यह घटना दिखाती है कि कैसे आज की भागदौड़ और दिखावे की जिंदगी में बुजुर्गों को बोझ समझने की मानसिकता बढ़ रही है।

– संजय पाठक, राजनांदगांव

ट्रेंड

सेवा की निरंतर साधना

मोदी सरकार के 11 वर्ष सत्ता से नहीं, सेवा की निरंतर साधना से चिन्हित रहे हैं। प्रधानमंत्री का 'प्रधानसेवक' भाव इस यात्रा का आधार है। इसी कड़ी में उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय को 'सेवा तीर्थ' की भावना से जोड़ा है।

-पीयूष गोयल, केंद्रीय वाणिज्य मंत्री

कांग्रेस को सद्बुद्धि मिले

कांग्रेस की उम्र 140 साल हो गई है, लेकिन व्यवहार बच्चों और नाबालिगों की तरह कर रही है। एसआईआर पर तो बिहार की जनता पहले ही जवाब दे चुकी है। प्रश्न यह है कि क्या कांग्रेस घुसपैठियों को बचाना चाहती है? जनता के मुद्दों से सरोकार नहीं है। भगवान उन्हें सद्बुद्धि दें।

-शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय कृषि मंत्री

अभिव्यक्ति की आज़ादी

जिनका इतिहास ही मुखबिरी का रहा हो वो जासूसी करना कैसे छोड़ सकते है। भाजपा सरकार में अभिव्यक्ति की आज़ादी तो पहले ही छिनी जा रही थी अब घर-परिवार, नाते-रिश्तेदार, की आपसी बातचीत पर भी उनकी गिद्ध निगाह लग जाएगी।

-अखिलेश यादव, सांसद, सपा

जन-केंद्रित कदम

राजभवन, झारखंड का नाम बदलकर अब 'लोक भवन, झारखंड' कर दिया गया है। हम झारखंड की जनता को हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं। यह झारखंड के लिए एक सकारात्मक और जन-केंद्रित कदम है।

-बाबूलाल मरांडी, पूर्व सीएम, झारखंड

करंट अफेयर

भारत की गहरी समझ रखने वाला युवा नेतृत्व होगा तैयार

सिंगापुर में 'कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री यंग इंडियन चैप्टर (सीआईआई वाईआई) ने कहा है कि उसका लक्ष्य हर वर्ष 300 युवाओं को छात्र विनियम कार्यक्रम में शामिल करना है ताकि भारतीय संस्कृति और अर्थव्यवस्था की गहरी समझ रखने वालों का नया नेतृत्व तैयार किया जा सके। सीआईआई वाईआई के चेयरमैन मोहम्मद इरशाद ने मंगलवार को यह टिप्पणी की। इससे एक दिन पहले सिंगापुर में पहला 'वाईआई – भारत सिंगापुर युवा सम्मेलन' आयोजित किया गया था। इरशाद ने कहा, 'भारत और सिंगापुर के बीच सदियों पुराने ऐतिहासिक संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के लिए हमें भारतीय संस्कृति और अर्थव्यवस्था की गहरी समझ विकसित करनी होगी।' सिंगापुर फिलहाल भारत का सबसे बड़ा विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) केंद्र है। इरशाद (36) ने कहा, 'अब तक सिंगापुर के विश्वविद्यालयों के 40 छात्र 'इंडिया टैलेंट रीड प्रोग्राम' समेत विभिन्न विनिमय कार्यक्रमों के तहत भारत जा चुके हैं। ये कार्यक्रम सिंगापुर के व्यापार एवं उद्योग मंत्रालय, सरकारी एजेंसी 'एंटरप्राइज सिंगापुर' और राष्ट्रीय युवा परिषद के सहयोग से चलाए गए।

ऑफ बीट

धीरे-धीरे दौड़ने के कई फायदे आए सामने

धावकों को समय को लेकर जुनून होता है। शौकिया हों या पेशेवर, अधिकतर धावकों का उद्देश्य तेजी से दौड़ना होता है। वे अपने मैराथन समय में से कुछ सेकंड कम करने के लिए लगातार प्रशिक्षण लेते हैं। लेकिन हाल के वर्षों में दौड़ने का जो चलन जोर पकड़ रहा है, वह है 'धीमी गति से दौड़ना'। इस चलन के पीछे विचार यह है कि कोई भी दौड़ सकता है – चाहे आपकी क्षमता कुछ भी हो या आप कितनी भी तेज दौड़ें। एक मजबूत आधार विकसित करने से काम करने वाली मांसपेशियों को प्रति धड़कन अधिक ऑक्सीजन पहुंचाने की क्षमता मिलती है, जो दौड़ में सफल होने के लिए महत्वपूर्ण है। इतना ही नहीं, बल्कि धीमी गति से दौड़ने से शरीर ऊर्जा के लिए संग्रहीत वसा का इस्तेमाल करता है। यह प्रक्रिया खाद्य पदार्थों से प्राप्त कार्बोहाइड्रेट संग्रह पर निर्भर रहने के विपरीत है। शरीर में एकत्र वसा का खंडित होना चयापचय की दृष्टि से कहीं अधिक कुशल प्रक्रिया है, क्योंकि वसा के एक अणु से प्राप्त ऊर्जा की मात्रा कार्बोहाइड्रेट के एक अणु से प्राप्त ऊर्जा की मात्रा से कहीं अधिक होती है। इसका मतलब है कि धावक कुल मिलाकर कम ऊर्जा का उपयोग करेंगे और कम थकेंगे तथा दौड़ के दिन तेजी से दौड़ने में सक्षम होंगे।

लोकसभा में चर्चा के दौरान विपक्ष ने उठाई जांच की मांग

सरकारी तंत्र के लोग हैं शामिल 'नकली दवाई' से गरमाया सदन

सपा सांसद ने किया प्रभावशाली लोगों की संलिप्तता का दावा

नई दिल्ली,

समाजवादी पार्टी (सपा) की एक सांसद ने उत्तर प्रदेश में नकली कफ सिरप की बिक्री का मुद्दा बृहस्पतिवार को लोकसभा में उठाया और पूरे मामले की निष्पक्ष एवं गहन जांच कराने की सरकार से मांग की। शून्यकाल के दौरान सपा सांसद प्रिया सरोज ने यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि पिछले महीने अक्टूबर में एक खतरनाक अवैध दवा के सेवन के कारण कई मासूम बच्चों की मौत हो गई। उन्होंने दावा किया कि इस पूरे प्रकरण में अब तक 98 से अधिक प्राथमिकी दर्ज हुई है। उन्होंने इसमें प्रभावशाली लोगों की संलिप्तता होने का दावा करते हुए कहा कि जौनपुर तथा वाराणसी और इसके आसपास के क्षेत्रों में भी इस सिंडिकेट की गहरी जड़ें होने की बात सामने आई है। सपा सांसद ने कहा, 'मीडिया रिपोर्ट से यह भी सामने आया है कि इस पूरे नेटवर्क में सरकारी तंत्र से जुड़े कुछ लोग शामिल हैं।' उन्होंने कहा कि यह साफ है कि फर्जी कंपनियां बिना लाइसेंस के संचालित हो रही हैं और हवाला के लेनदेन के जरिये इन नकली दवाइयों का कारोबार लंबे समय से चल रहा है। उन्होंने इस पूरे मामले की निष्पक्ष और गहन जांच कराने की केंद्र से मांग की।

स्वास्थ्य माफिया के संरक्षण में बिक रहीं नकली दवाइयां

सपा सांसद राजीव राय ने 'स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025' पर चर्चा में भाग लेते हुए, नकली दवाइयों की बिक्री का मुद्दा उठाया। उन्होंने दावा किया कि उनके निर्वाचन क्षेत्र (घोसी) में 'स्वास्थ्य माफिया के संरक्षण में नकली दवाइयां बिक रही हैं, फर्जी अस्पताल और फर्जी नर्सिंग होम संचालित हो रहे हैं।' उन्होंने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य क्षेत्र में 'माफिया सत्ता और सरकार के संरक्षण में काम कर रहा है।'

हिंदी में बोलने पर आपत्ति उठाई सीतारमण भड़कीं

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में बृहस्पतिवार को तृणमूल कांग्रेस के सांसद सौगत रॉय पर उस वक्त निशाना साधा, जब उन्होंने (रॉय ने) एक विधेयक पर केंद्रीय मंत्री के हिंदी बोलने को लेकर आपत्ति जताई।
सीतारमण ने कहा कि सदन में अनुवाद तकनीक मौजूद है और यह (तकनीक) सदस्यों को किसी भी भाषा में दिये गये संबोधन का अनूदित रूप सुनने में सक्षम बनाती है। रॉय ने लोकसभा में 'स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक 2025' पर कहा कि उन्हें इस विषय पर मंत्री के हिंदी में दिए गए संबोधन को समझने में कठिनाई हुई। उन्होंने कहा, 'निर्मला जी ने भी हिंदी में बात की। मैं उनकी बात समझ नहीं पाया, क्योंकि हम बंगाली हैं; हम हिंदी का इतना अधिक ज्ञान नहीं रखते।' इस पर, पीठासीन सभापति जगदम्बिका पाल ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि सदन की कार्यवाही कई भाषाओं में उपलब्ध है। उन्होंने रॉय से कहा, 'यह पहले से ही संसद ऐप पर उपलब्ध है; आप इसे देख सकते हैं।'

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पुरानी परंपराओं का हवाला देकर लगाया आरोप

'सरकार नहीं चाहती मैं पुतिन से मिलूं, यह इनसिक्योरिटी'

नई दिल्ली,

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत दौरे पर हैं। इधर, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार नहीं चाहती है कि विपक्ष और रूस के राष्ट्रपति के बीच में कोई मुलाकात हो। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए चिंताजनक बताया। गांधी ने मीडिया से बातचीत में कहा, 'आम तौर पर यह परंपरा होती है कि बाहर से जो भी आते हैं, उनकी एलओपी के साथ मुलाकात होती है। ये पूर्व पीएम मनमोहन सिंह और अटल बिहारी वाजपेयी के समय में होता था। लेकिन आजकल क्या होता है जो विदेशी गणमान्य लोग आते हैं या जब मैं कहीं बाहर जाता हूं तो सरकार उनको सलाह देती है कि उनको एलओपी से नहीं मिलना चाहिए। ये सरकार की पॉलिसी है और ये हर बार यही करते हैं।'यह मोदी सरकार की इनसिक्योरिटी है। प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्रालय अब असुरक्षा की वजह से ऐसा नहीं करते।'

हम भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं

कांग्रेस नेता ने आगे कहा, 'हमें मैसेज मिलता है कि हमें बताया गया है कि सरकार हमसे कहती है कि आपसे नहीं मिलना है। भारत के रिलेशन तो सबके साथ हैं। विपक्ष के नेता एक दूसरा नजरिया पेश करते हैं, हम भी भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं। सरकार नहीं चाहती कि विपक्ष के लोग बाहर के लोगों से मिले।

राहुल का बयान गैर जिम्मेदाराना

भाजपा

राहुल के बयान को भाजपा ने गैरजिम्मेदाराना करार दिया है। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा राहुल कहते हैं, जब भी वह विदेश जाते हैं, हमारी सरकार उन देशों के नेताओं से अनुरोध करती है कि वे उनसे न मिलें। ऐसे बयान देना गैर-जिम्मेदाराना है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय विशिष्ट व्यक्तियों को नेता प्रतिपक्ष से मिलने की अनुमति नहीं दी जाती क्योंकि भारत सरकार असुरक्षित महसूस करती है। भारत सरकार राहुल गांधी से क्यों असुरक्षित महसूस करेगी? पात्रा ने कहा, नेता प्रतिपक्ष का बयान तथ्यों पर आधारित नहीं हैं।

भगवान ही जाने कि वे किससे डरते हैं- प्रियंका

इस मुद्दे पर प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा, 'यह बहुत अजीब है। सरकार द्वारा प्रोटोकॉल को उलट दिया जा रहा है। भगवान ही जाने कि वे किससे डरते हैं। लोकतंत्र में सभी को अपनी राय रखने का अधिकार होना चाहिए, चर्चा होनी चाहिए और उचित कार्रवाई होनी चाहिए। सरकार असुरक्षित महसूस करती है और यह फैसला उसी का प्रतिबिंब है। दुनिया में लोकतंत्र की छवि धूमिल हुई है।'

आरबीआई ने तैयार की देश में सबसे सुरक्षित बैंकों की सूची, कभी नहीं डूबेगा पैसा

नई दिल्ली,

हम आप में से कई लोग बैंक में अकाउंट खुलवाते हैं ताकि पैसा सुरक्षित रहे और उस पर मिले ब्याज से मोटी कमाई भी हो। बैंक में पैसा जमा करने के बाद हम यह सोचकर टेंशन फ्री हो जाते हैं कि अब हमारा पैसा सिक्योर है, लेकिन कब बैंक दिवालिया हो जाए और कब आपके पैसे डूब जाए इसका कोई भरोसा नहीं।

- इनकी पहचान सबसे सिस्टेमिकली जरूरी फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन के तौर पर

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया,एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक देश का सबसे सुरक्षित बैंक बताया है। आरबीआई ने इनकी पहचान देश के सबसे सिस्टेमिकली जरूरी फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन के तौर पर की है और इन्हें डोमेस्टिक सिस्टेमिकली जरूरी बैंक (डी-एसआईबी) बताया है। आरबीआई के इस ऐलान के साथ अब यह पक्का हो गया है कि ये तीनों ही इंस्टीट्यूशन बैंकिंग सेक्टर में अपनी एक अहम जगह रखते हैं।

इनकी सेफ्टी है बहुत जरूरी

डी-एसआईबी के तौर पर इन बैंकों की पहचान 2024 में की गई थी, जो एक बार फिर से अपनी साइज और देश की इकोनॉमी के लिए अहमियत की वजह से आगे हैं। डी-एसआईबी को इतना जरूरी माना जाता है कि इसके फेल होने पर देश के फाइनेंशियल सिस्टम पर बहुत बुरा असर पड़ता है, जिससे बड़े पैमाने पर दिक्कतें आ सकती हैं इसलिए सरकार और रेगुलेटर उनकी स्टेबिलिटी पक्का करने के लिए कमिटेड हैं और इन्हें फेल होने से बचाने के लिए कदम उठाए जाते रहे हैं।

क्या है डी-एसआईबी? : डोमेस्टिक सिस्टेमिकली इम्पोर्टेन्ट बैंकों का कॉन्सेप्ट सबसे पहले 2014 में शुरू हुआ। यह फाइनेंशियल स्टेबिलिटी को मजबूत करने की आरबीआई की कोशिश का एक हिस्सा था। 2015 में इनकी पहचान करनी शुरू कर दी गई। डोमेस्टिक सिस्टमिकली इम्पोर्टेंट बैंक उन बैंकों को कहा जाता है, जो अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभाते हैं।

एक्स्ट्रा कैपिटल मेंटेन करना जरूरी

हाई बकेट की कैटेगरी को शामिल होने वाले इन बैंकों को अपने पास ज्यादा कैपिटल रखने की जरूरत है। एक्स्ट्रा कॉमन इक्विटी टियर 1 (सीईटी 1) कैपिटल। संभावित नुकसान या रिस्क को झेलने में मदद मिल सके। एक्स्ट्रा सीईटी 1 कैपिटल का लेवल डी-एसआईबी फ्रेमवर्क में बैंक के क्लासिफिकेशन के आधार पर अलग-अलग होता है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को बकेट 4 में रखा गया है, जिसके लिए उसे एक्स्ट्रा 0.80 परसेंट सीईटी1 कैपिटल बनाए रखना होगा। एचडीएफसी बैंक बकेट 2 में बना हुआ है, जिसके लिए एक्स्ट्रा 0.40 परसेंट सीईटी 1 कैपिटल की जरूरत है। आईसीआईसीआई बैंक बकेट 1 में है, जिसके लिए इसे एक्स्ट्रा 0.20 परसेंट सीईटी1 कैपिटल मेंटेन करना होगा।

बैंक में कितना सिक्योर आपका पैसा?

अगर आपका जिस बैंक में अकाउंट है वह किसी कारण से डूब गया है या बंद हो गया है, तो आपको आपकी जमा राशि का अधिकतम 5 लाख तक ही वापस किए जाएंगे। अगर आपके अकाउंट में इससे ज्यादा अमाउंट है, तो भी आपको 5 लाख से ज्यादा नहीं मिलेंगे। अगर कम अमाउंट है, तो पूरा का पूरा वापस मिल जाएगा। दरअसल, डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉर्पोरेशन के तहत सरकार बैंक में डिपॉजिट पर इंश्योरेंस कवर मुहैया कराती है। 4 फरवरी 2020 से पहले बैंक में जमा राशि तक डिपॉजिट इंश्योरेंस 1 लाख रुपए ही हुआ करता है, जिसे 2020 में बढ़ाकर 5 लाख रुपए कर दिया गया है।

तमिलनाडु में एसआईआर सर्वे पर चुनाव आयोग की दो टूक

कट सकते हैं लाखों मतदाताओं के नाम, अपील की अंतिम तारीख 11 दिसंबर

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

तमिलनाडु में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची को साफ-सुथरा बनाने की मुहिम तेज हो गई है। आयोग के मुताबिक, 40 से 50 लाख मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जा सकते हैं। राज्य में कुल 6.41 करोड़ मतदाताओं हैं। अभी तक 25.72 लाख ऐसे लोगों की पहचान हो चुकी है, जो मर चुके हैं। इनके नाम सूची से हटाना तय है। इसके अलावा, 39 लाख मतदाताओं ने अपना स्थाई पता बदल लिया है, जबकि 9 लाख मतदाताओं का अभी कोई पता नहीं चल पा रहा। आयोग ने 3.32 लाख डुप्लीकेट पंजीयन वाले मतदाताओं की भी सूची तैयार की है। कम से कम 28 लाख नाम निश्चित रूप से मतदाता सूची से कट जाएंगे। अगर 9 लाख न पहचाने गए मतदाता 11 दिसंबर तक अपनी अपील जमा नहीं कराते, तो उनके नाम भी सूची से बाहर हो जाएंगे।

राज्य में 6.41 करोड़ मतदाताओं में से सिर्फ 25.72 लाख की पहचान हुई

केंद्रीय चुनाव आयोग कार्यालय

दोबारा पंजीयन का मौका मिलेगा

चुनाव आयोग ने बताया कि ड्राफ्ट वोटर सूची जारी होने के बाद भी, जिन्होंने अपना घर हमेशा के लिए शिफ्ट किया है, उन्हें दोबारा रजिस्ट्रेशन का मौका मिलेगा। लोग फॉर्म-6 या फॉर्म-7 भरकर ऑनलाइन या बीएलओ के जरिए अपडेट कर सकते हैं। लोग टोल-फ्री हेल्पलाइन से मदद ले सकते हैं।

एसआईआर खतरनाक: स्टालिन

सीएम एमके स्टालिन और विपक्षी दलों ने एसआईआर को 'खतरनाक' बताते हुए विरोध जताया है। वीसीके नेता थोल थिरुमावलावन ने चेतावनी दी कि इससे करीब एक करोड़ नाम कट सकते हैं।

मरने वालों में आधे से ज्यादा लोग हिंदू: ममता

पश्चिम बंगाल की सीएम बेनर्जी ने एसआईआर को लेकर भाजपा पर निशाना साधा और दावा किया कि देशभर में इस कवायद से जुड़ी घटनाओं में मरने वालों में आधे से ज्यादा लोग हिंदू हैं। भाजपा उसी डाल को काट रही है जिस पर बैठी है।

राजनीतिक दलों की बैठक बुलाए आयोग: उमर

जम्मू कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा है कि एसआईआर के बारे में राजनीतिक दलों की आशंकाओं को दूर करने के लिए उनकी एक बैठक बुलानी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमने देखा है कि मशीनों के जरिए चुनाव में चोरी तो नहीं होती, लेकिन उनमें निश्चित रूप से हेरफेर होता है। अब्दुल्ला ने जम्मू कश्मीर में 2023 के परिसीमन को चुनावों में हेरफेर बताया।

आधार कार्ड में नाम सुधार की सूचना पत्र

यवंतिका पिता राजेश यादव निवासी ग्राम दवंनसरा (पखनापारा)पोस्ट-दवना तहसील ओड़गी थाना भैयाथान जिला सूरजपुर (छ.ग) का मूल निवासी हू ।जिसमें आधार कार्ड क्रमांक 433151902017 है जिसमें त्रुटि पूर्ण नाम खुशी एवं जन्म तिथि 01/01/2011व माता का नाम लक्ष्मी अंकित है ।जबकि सही नाम यवंतिका यादव पिता राजेश यादव व माता बुधियारो व जन्म तिथि 15/06/2010 व मेरे जन्म प्रमाण पत्र व अंकसूची में अंकित है जो सत्य है।

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र. ब/121 वर्ष
ग्राम बैजनाथपुर प.ह.न.01
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक संतोष पिता मोहन जाति घासी निवासी ग्राम बैजनाथपुर रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग) आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र / पुत्री कु. रिया आ.ईश्वर का जन्म दिनांक 09/07/2018 को ग्राम बैजनाथपुर में हुई है, अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नहीं करा पाया है। आवेदक अपने पुत्र/पुत्री कु. रिया आ ईश्वर का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत बैजनाथपुर को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 08/12/25 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।आज दिनांक 18/11/15 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

नायब तहसीलदार
तहसील भैयाथान

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र. ब/121 वर्ष
ग्राम – मसिरा प.ह.न. – 15
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अशोक यादव पिता. तिलक यादव जाति अहिर निवासी ग्राम मसिरा प.ह.न. -15 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र / पुत्री किरण यादव का जन्म. दिनांक 19-08-2011 को ग्राम मसिरा में हुई है, अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने पुत्र/पुत्री किरण यादव का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत मसिरा को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 15/12/2025 आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 01/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भैयाथान
जिला - सूरजपुर (छ०ग०)

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) वाड्रफनगर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)
क्रमांक/2071/ खाद्य/अ.वि.अ./2025
वाड्रफनगर, दिनांक 26/11/2025
//ईश्तहार//
ग्राम पंचायत:- महुली

एतद् द्वारा सर्वसाधारण जनता ग्राम पंचायत महुली विकासखण्ड वाड्रफनगर को सूचित किया जाता है कि छ०ग० सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2016 की कण्डिका 8 (ख) के अन्तर्गत शासकीय उचित मूल्य दुकान ग्राम महुली विकासखण्ड वाड्रफनगर के पूर्व संचालक / सहायक विक्रेता के द्वारा उचित मूल्य दुकान संचालन में अनियमितता बरतने के फलस्वरुप दुकान आवंटन निरस्त करने पश्चात्ग्राम पंचायत महुली में शासकीय उचित मूल्य दुकान एजेंसी आबंटित्त किया जाना है। अतः उक्त शासकीय उचित मूल्य दुकान एजेंसी के संचालन हेतु छ०ग० सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2016 की कण्डिका 9 में निम्नलिखित संस्था अनुविभागीय अधिकारी (10) वाड्रफनगर में दिनांक 10/12/2025 तक आवेदन प्रस्तुत कर सकते है :-

01. ग्राम पंचायत / स्थानीय निकाय
02. महिला स्व-सहायता समूह
03. आदिम जाति सेवा सहकारी समिति
04 खाद्य सुरक्षा पोषण एवं उपभोक्ता सेवा सहकारी समिति / प्राथमिक कृषि साख समितियां
05. अन्य सहकारी समितियां
06. राज्य शासन द्वारा विनिर्दिष्ट उपक्रम
07. वन सुरक्षा समिति

अतः इच्छुक समूह/समिति/ ग्राम पंचायत अपना आवेदन पत्र निर्धारित प्रारुप में जमा कर सकता है तथा समय-सीमा के बाद प्राप्त आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 26/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्र से जारी किया

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
वाड्रफनगर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)/ सक्षम प्राधिकारी, रामानुजनगर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)
रा.प्र.क्र./अ-2/2025-26
-: ईश्तहार :-

एतद्द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-रामानुजनगर को सूचित किया जाता है कि आयेदिका श्रीमती विद्या शुक्ला पति राकेश शुक्ला जाति ब्राम्हण, निवासी रामानुजनगर, तहसील रामानुजनगर जिला-सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम रामानुजनगर, प.ह.नं. 22, रा.नि.मं. रामानुजनगर, तहसील रामानुजनगर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 33/1 रकबा 0.24 हे. में से 0.04 हे. कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का निवेदन किया गया है। अतएव इस सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था/विभाग को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 22/12/2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विवार नहीं किया जायेगा आज दिनांक 05/12/2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
रामानुजनगर, जिला-सूरजपुर, (छ.ग)

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र. ब/121 वर्ष
ग्राम मसिरा प.ह.न. - 15
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक पारस यादव पिता पुरन राम यादव जाति अहिर निवासी ग्राम. मसिरा प.ह.न. रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र / पुत्री रिया यादव का जन्म दिनांक 09/11/2012 को ग्राम मसिरा में हुई है, अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने पुत्र/पुत्री रिया यादव का जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत मसिरा को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं ...तक अपना अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक.15/12/2025 आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 01/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भैयाथान
जिला - सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी पत्थलगांव, जिला जशपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र./4-121/2025-26
ग्राम-पत्थलगाय, तहसील पत्थलगांव
ईश्तहार

एतद् द्वारा आम जनता नगर पालिका परिषद पत्थलगाव को सूचित किया आता है. कि आवेदक सतीश अग्रवाल पिता ओमप्रकाश अग्रवाल जाति अग्रवाल, निवासी ग्राम/तहसील पत्थलगांव जिला-जशपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर अपने भाई प्रयाग राज अग्रवाल का ग्राम पत्थलगांव में जन्म दिनांक 13/05/1962 को हुआ है। जिसका नाम नगर पालिका परिषद पत्थलगांव के जन्म पंजी में दर्ज किये जाने का निवेदन कया गया है। आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र चालान की प्रति, अनुपलब्धता प्रमाण-पत्र, पंचनामा एवं अंकसूची संलग्न है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को उजर आपत्ति या दावा हो तो वह स्वयं कथयामान्य अधिवक्ता अथवा वैध अभिकर्ता के मय दस्तावेज दिनांक 15/12/2025 तक नधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि पश्चात प्राप्त दावा या बापत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 01/12/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से री किया गया।

तहसीलदार एवं कार्यपालिक
दण्डाधिकारी पत्थलगांव

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी पत्थलगांव, जिला जशपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र./4-121/2025-26
ग्राम-पत्थलगाय, तहसील पत्थलगांव
ईश्तहार

एतद् द्वारा आम ग्राम पत्थलगांव को सूचित किया जाता है, कि आवेदक राजेन्द्र अग्रवाल पिता रामनारायण अग्रवाल जाति अग्रवाल, निवासी ग्राम/तहसील पत्थलगांव जिला-जशपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर भतीजा सतीश अग्रवाल पिता ओमप्रकाश अग्रवाल का ग्राम पत्थलगांव में जन्म दिनाक 16/05/1960 को हुआ है। जिसका नाम नगर पालिका परिषद पत्थलगांव के जन्म पंजी में दर्ज किये जाने का निवेदन कया गया है। आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र चालान की प्रति, अनुपलब्धता प्रमाण-पत्र, पंचनामा एवं अंकसूची सलग्न है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को उजर आपत्ति या दावा हो तो वह स्वयं अबया मान्य अधिवक्ता अथवा वैध अभिकर्ता के मय दस्तावेज दिनांक 15/12/2025 तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि पश्चात प्राप्त दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 01/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार एवं कार्यपालिक
दण्डाधिकारी पत्थलगांव

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)/ सक्षम प्राधिकारी, रामानुजनगर, जिला-सूरजपुर (छ.ग.)
रा.प्र.क्र./अ1-2/2025-26
-- ईश्तहार :-

एतद्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-रामानुजनगर को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री राकेश शुक्ला आ. रामसजीला जाति ब्राम्हण, निवासी रामानुजनगर, तहसील रामानुजनगर जिला-सूरजपुर (छ.ग.) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर लेख किया गया है कि उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम रामानुजनगर, प.ह.नं. 22. रा.नि.मं. रामानुजनगर, तहसील रामानुजनगर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 141/2 रकबा 0.02 है. कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का निवेदन किया गया है। अतएव इस सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था/विभाग को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 22/12/2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 05/12/2025 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
रामानुजनगर, जिला-सूरजपुर, (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र. ब/121 वर्ष
ग्राम - प.ह.न.
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक बृजेश कुमार पिता प्रेमनारायण जाति कलवार निवासी ग्राम केवरा प.ह.न. 12.रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक बृजेश कुमार का जन्म दिनांक 01/02/1971 को ग्राम केवरा में हुई है, अज्ञानतावश जन्म पंजीयन नहीं करा पाया आवेदक बृजेश कुमार जन्म पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत केवरा को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 19/12/2025 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से दिनांक 04/12/2025 को जारी किया गया ।

नायब तहसीलदार
तहसील भैयाथान

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग०
ईश्तहार
रा०प्र०क्र० /अ-6/2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती दिव्या दुबे पत्नि हरि राम दुबे, उम्र 51 वर्ष, जाति ब्राम्हण, निवासी कबीर वार्ड दरीपारा, अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ.ग.) के द्वारा तदाशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है, कि आवेदिका द्वारा विक्रेता महाराजा टी०एस० सिंहदेव आ.स्व. महाराजा मदनेश्वर शरण सिंह देव के स्वामित्व व आधिपत्य की मोहल्ला दरीपारा नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लॉट नं. 4025 रकबा 0.03 एकड़ भूमि को पंजीबद्ध विक्रय पत्र दिनांक 07/11/2025 के माध्यम से क्रय किया गया है। अतः उक्त पंजीबद्ध विक्रय पत्र के आधार पर उक्त क्रयशुदा नजूल भूमि के अभिलेख में स्वयं का नाम दर्ज कराने हेतु आवेदिका द्वारा पंजीबद्ध विक्रय पत्र की छायाप्रति मय दस्तावेज सहित आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा 109, 110 छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 के तहत प्रस्तुत किया गया है।अतः उक्त सबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो वे अपना लिखित दावा / आपत्ति स्वय अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 19/12 / 2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकतें हैं।नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/अपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 03/12/2025 को मेरे न्यायालयीन मुद्रा एंव हस्ताक्षर से जारी किया गया।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

डॉक्टर्स सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

खाते-पीते समय जब महसूस हो गले में दर्द

मेरी उम्र 32 वर्ष है पिछले कुछ दिनों से कुछ भी खाते-पीते समय मेरे गले में दर्द होता है। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों हो रहा है और मेरी यह प्रॉब्लम कैसे ठीक होगी?

-राजन, रायपुर

इस समय गले में दर्द जैसी समस्या का एक बड़ा कारण मौसम चेंज होना है। इसके साथ ही कई शहरों में प्रदूषण भी इसकी बड़ी वजह बन गई है। इसके लिए सबसे पहले आप सुबह और शाम को गर्म पानी में नमक डालकर गरारा करें। इसके साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि फ्रिज में रखी कोई भी ठंडी चीज बिल्कुल ना खाएं। वहीं प्रदूषण से बचने के लिए जब आप घर के बाहर निकलें तो मास्क लगाकर निकलें। इस तरह थोड़ा चेंज करने से आपको लाभ मिलेगा।

मेरी उम्र 27 वर्ष है। कुछ दिन पहले मेरे नाक से अचानक खून रिसने लगा था। पिछले एक महीने में ऐसा दो बार हो चुका है। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों हुआ, यह कोई चिंता की बात तो नहीं?

-अंकुर, बिलासपुर

इस तरह की परेशानी आमतौर पर गर्मियों में लोगों को देखी जाती है लेकिन इस मौसम में भी ऐसा हो रहा है तो एक बार डॉक्टर से संपर्क करना पड़ेगा। कई बार इसकी वजह ब्लड प्रेशर का अधिक होना भी पाया गया है। आप एक बार ईएनटी विशेषज्ञ से संपर्क करें। वह जांच कर इसका सही कारण पता लगाएंगे और ट्रीटमेंट करेंगे।

मेरी उम्र 46 वर्ष है। पिछले कुछ हफ्तों से मुझे खांसी आ रही है। ज्यादा खांसी की वजह से कभी-कभी सांस लेने में भी दिक्कत होती है। प्लीज इस प्रॉब्लम का सॉल्यूशन बताएं।

-रवि, दुर्ग

लंबे समय से खांसी कई बार चेस्ट में इंफेक्शन की वजह से भी हो जाती है। लेकिन यह बगैर डॉक्टर के चेक करवाए नहीं बताया जा सकता है। आप आस-पास किसी डॉक्टर से एक बार चेस्ट की जांच करा लें। अगर इंफेक्शन होगा तो उसकी दवा चलेगी। इसके बाद भी अगर आराम ना मिले तो एक बार टीबी की जांच भी करानी चाहिए। लोगों में कई बार यह भी खांसी की वजह होती है। फिलहाल आप गुनगुना पानी पिएं और सुबह शाम नमक वाले पानी से गरारा जरूर करें।

मेरी उम्र 39 वर्ष है। मेरे पैर अकसर ही सुन्न हो जाते हैं। इसमें कोई सेंसेशन नहीं होता। कई बार इस वजह से चलने-फिरने में लड़खड़ाहट होती है। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों होता है?

-सुमित, भोपाल

हालांकि आपकी उम्र अभी कम है, लेकिन फिर भी आप एक बार न्यूरोलॉजिस्ट से संपर्क करें। क्योंकि आपकी समस्या सुनकर ऐसा लग रहा है कि आपको न्यूरो से संबंधित कुछ प्रॉब्लम हो सकती है। हालांकि कई बार नर्वस सिस्टम भी इसकी वजह बनता है लेकिन बगैर जांच किए कोई भी ट्रीटमेंट शुरू नहीं किया सकता है।

मेरी उम्र 61 वर्ष है। पिछले कुछ समय से मैं नींद की गोलियां ले रहा हूं। इससे रात को नींद तो अच्छी आती है, लेकिन पूरे दिन सुस्ती बनी रहती है। कृपया बताएं कि ऐसे में मुझे क्या करना चाहिए?

-मधुसूदन, महेंद्रगढ़

नींद की गोलियां कहीं ना कहीं साइड इफेक्ट जरूर करती हैं, इसलिए कोशिश करें कि नींद की गोलियां न खाई जाएं तो बेहतर है। आपको योग और मेडिटेशन करना चाहिए। रात में सोने से पहले हल्का गर्म दूध पीना चाहिए और पैर धोकर बेड पर जाना चाहिए। इस तरह कुछ बदलाव कर देखें। आपको आराम मिल सकता है। *

प्रस्तुति: रिचा पांडे

डॉक्टर्स एडवाइस

डॉ. अतीक वासदेव
वाइस चेयरमैन-ऑर्थोपेडिक्स
मेदांता दि मेडिसिटी, गुरुग्राम

सर्दियों में अन्य ऋतुओं की तुलना में जोड़ों की समस्याएं कहीं ज्यादा बढ़ जाती हैं। आमतौर पर जोड़ों में दर्द का प्रमुख कारण अर्थराइट्स (गठिया) होता है। जोड़ों में सूजन और दर्द को अर्थराइटिस कहते हैं। इस दर्द के बढ़ने की क्या वजहें हैं, इनसे कैसे बचाव हो सकता है और इनसे राहत के लिए क्या करना चाहिए, विस्तार से यहां बता रहे हैं।

सर्दियों में ज्वॉइंट्स प्रॉब्लम बरतें सावधानी-मिलेगी राहत

बढ़ती उम्र के लोगों में जोड़ों के दर्द की समस्या जाड़े में बढ़ जाती है। जो लोग पहले से ही अर्थराइटिस या जोड़ों से संबंधित समस्याओं से ग्रस्त हैं, उनमें सर्दी के मौसम में जोड़ों से संबंधित समस्याएं इसलिए बढ़ जाती हैं क्योंकि तापमान के कम होते जाने से जोड़ों के अंदर मौजूद साइनोवियल फ्लूड गाढ़ा होने लगता है। इस कारण जोड़ों में जकड़न महसूस होती है, जिसके परिणामस्वरूप चलने-फिरने में दिक्कत महसूस होती है, खासकर सुबह के वक्त।

सर्दियों में तापमान के कम होने के कारण जोड़ों की धमनियां (आर्टरीज) सिकुड़ जाती हैं। धमनियों के सिकुड़ने से जोड़ों में रक्त संचार की प्रक्रिया समुचित रूप से संचालित नहीं होती। इसके परिणामस्वरूप जोड़ों में जकड़न या अकड़न और दर्द होने लगता है। ठंडे तापमान में मांसपेशियों में ऐंठन अधिक होती है, जिससे जोड़ों में सूजन, दर्द और अकड़न बढ़ जाती है।

इनको होता है ज्यादा रिस्क: जो लोग पहले से ही अर्थराइटिस के किसी प्रकार से ग्रस्त हैं, उनकी समस्याएं कहीं ज्यादा बढ़ जाती हैं। वैसे तो अर्थराइटिस के बहुत प्रकार हैं, लेकिन जो लोग ऑस्टियोअर्थराइटिस (ओए), रूमेटॉइड अर्थराइटिस (आरए), गाउटी अर्थराइटिस, ट्रामेटिक अर्थराइटिस और स्पाइनल अर्थराइटिस से पीड़ित हैं, उनकी समस्याएं आमतौर पर सर्दियों के दौरान बढ़ सकती हैं। इसी तरह जो किशोर और बच्चे क्रमशः जुवेनाइल अर्थराइटिस और रूमेटिक अर्थराइटिस से ग्रस्त रह चुके हैं, उनकी परेशानी भी सर्दियों के मौसम में बढ़ सकती हैं।

वहीं जो लोग अतीत में किसी दुर्घटना का शिकार हो चुके हैं, जिसके कारण उनकी हड्डियां और लिगामेंट आदि क्षतिग्रस्त हो चुके थे। ऐसे लोगों को ठीक हो जाने के बाद भी जाड़े के मौसम में जोड़ों में दर्द की समस्या उत्पन्न हो सकती है।

ऑस्टियोअर्थराइटिस पेशेंट सावधानी बरतें: ऑस्टियो अर्थराइटिस (गठिया) का दुष्प्रभाव आमतौर पर प्रमुख जोड़ घुटनों पर पड़ता है। घुटने पर ही शरीर के भार का दबाव सर्वाधिक पड़ता है। देश में सबसे ज्यादा लोग नी ऑस्टियो अर्थराइटिस (घुटने की गठिया) से ग्रस्त हैं। जोड़ों के मध्य स्थित कार्टिलेज (जो जोड़ों के मध्य कुशन का काम करती है) बढ़ती उम्र खासकर 50 वर्ष के बाद गलत जीवनशैली के कारण घिसने लगती हैं। इस कारण जोड़ आपस में रगड़ते हैं और कालांतर में धीरे-धीरे क्षीण होते रहते हैं। एक ऐसी स्थिति आती है, जब पीड़ित व्यक्ति को चलने-फिरने और सीढ़ियां चढ़ने-उतरने में दिक्कत महसूस होती है। लोग अपने सामान्य दिनचर्या के कार्यों को नहीं कर पाते।

ऐसे करें रोकथाम: ऑस्टियोअर्थराइटिस से पीड़ित व्यक्ति सर्दी की शुरुआत में ही अस्थि रोग विशेषज्ञ से परामर्श लें और उनके परामर्श के अनुसार ही दवाएं, फिजियोथेरेपी और अन्य व्यायाम करें। खान-पान में कैल्शियम युक्त आहार को वरीयता दें। अगर मरीज को असहनीय दर्द हो रहा है, तो विशेषज्ञ डॉक्टर, पीड़ित व्यक्ति को अस्थाई राहत देने के लिए इंट्रा आर्टिकुलर इंजेक्शन रिफर कर सकते हैं।

रूमेटाइड अर्थराइटिस पेशेंट रहें सजग: यह अर्थराइटिस का एक विशेष प्रकार है, जिसके कारणों पर मेडिकल शोध अभी तक जारी हैं। रूमेटाइड (आरए) का उम्र बढ़ने या कार्टिलेज के क्षीण होने या फिर खान-पान से कोई लेना-देना नहीं है। इसमें शरीर का इम्यून सिस्टम अपने ही शरीर के खिलाफ लड़ाई छेड़ देता है और इस लड़ाई का पहला हमला जोड़ की झिल्ली (सायनोवियम) पर पड़ता है।

मिल सकती है राहत: समय रहते रूमेटाइड अर्थराइटिस का समुचित इलाज न होने पर आगे चलकर प्रभावित हड्डी क्षीण होने लगते हैं, लेकिन फिजियोथेरेपी, योग और व्यायाम करने से पीड़ित व्यक्ति को अस्थाई राहत मिलती है। रूमेटाइड अर्थराइटिस का कोई स्थाई इलाज है। इसके साथ ही शरीर के इम्यून सिस्टम में आई गड़बड़ी को दूर करने या नियंत्रित करने के लिए जो दवाएं दी जाती हैं, उन्हें इम्यूनोमॉड्यूलेटर्स कहते हैं। रूमेटाइड अर्थराइटिस शरीर के अन्य जोड़ों को भी प्रभावित करता है, लेकिन इसकी शुरुआत हाथों की उंगलियों में सूजन से होती है, सूजन के साथ मरीज को तेज दर्द होता है। इसलिए सर्दियों में रूमेटाइड अर्थराइटिस वाले डॉक्टर से परामर्श लेते रहें।

डॉक्टर के परामर्श से ही दवाएं लें। जोड़ों का दर्द कम करने के लिए इंट्रा आर्टिकुलर इंजेक्शन के अलावा कभी-कभी डॉक्टर स्टेरॉयड के इंजेक्शन भी पीड़ित मरीज को रिफर कर सकते हैं। ऐसे इंजेक्शंस के अपने लाभ भी हैं और इनके साइड और आफ्टर इफेक्ट भी। इसलिए स्टेरॉइड दवाओं को योग्य चिकित्सक की देख-रेख में ही लेना चाहिए, क्योंकि ऐसी दवाओं को लंबे समय तक लेने से फायदा कम नुकसान ज्यादा हो सकता है।

कंधों का पोस्चर सही रखें: कंधे भी आपके शरीर के प्रमुख जोड़ हैं। सर्दियों में इनमें भी दर्द और जकड़न की समस्या उत्पन्न हो सकती है। इस संदर्भ में इन बातों पर ध्यान दें।

- चलते समय कंधों को झुकाकर न चलें और न ही इन्हें उठाकर चलें।
- कंधे से संबंधित व्यायाम करें।
- झटके से वेट न उठाएं।
- बिना वार्म अप के किसी भी खेल की प्रैक्टिस न करें।
- उपरोक्त बातों पर ध्यान देने पर आप कंधों में दर्द की समस्या से बचे रहेंगे।

ज्वाइंट्स पेन से ऐसे मिलेगी राहत: विशेषज्ञ से परामर्श, जोड़ों में दर्द, सूजन, अकड़न और मांसपेशियों में कमजोरी जैसे लक्षणों के मद्देनजर अस्थि रोग विशेषज्ञ से परामर्श लें।

ऑस्टियोअर्थराइटिस के जिन मरीजों को दवाओं, खान-पान और व्यायाम आदि से राहत नहीं मिल पा रही है, तो ऐसे व्यक्तियों को ऑर्थोपेडिक स्पेशलिस्ट परामर्श दे सकते हैं।

वजन संतुलित रखें: सर्दियों में आमतौर पर लोगों को ज्यादा भूख महसूस होती है और लोग अपना पसंदीदा खाना कुछ ज्यादा खाते हैं। जाड़े के कारण उनकी आउटडोर शारीरिक गतिविधियां कम हो जाती हैं। ऐसी स्थिति में वजन सर्दियों में बढ़ जाता है। अधिक वजन घुटनों और कूल्हों जैसे जोड़ों पर अतिरिक्त दबाव डालता है, जिसके परिणामस्वरूप जोड़ों में दर्द की समस्या का जोखिम बढ़ जाता है। इसलिए सही वजन बनाए रखने के लिए अपने आहार पर विशेष ध्यान दें और जोड़ों के अनुकूल व्यायाम करें।

हाइड्रेट रहें: जो लोग ज्यादा शारीरिक श्रम नहीं करते हैं और किडनी रोग से ग्रस्त नहीं हैं, उन्हें कम से कम प्रतिदिन दो-तीन लीटर पानी पीना चाहिए। पर्याप्त पानी पीने से आमतौर पर जोड़ों में दर्द की समस्या कम होती है। कुनकुने पानी से नहाने से भी आपको जोड़ों के दर्द में राहत मिल सकती है।

विटामिन-डी सप्लीमेंट: शरीर में विटामिन-डी की कमी से जोड़ों में दर्द की समस्या बढ़ सकती है। ऑस्टियोपोरोसिस (हल्का-सा आघात लगने पर हड्डियों का टूटना) का खतरा भी बढ़ जाता है। विटामिन-डी सप्लीमेंट लेने के लिए अपने डॉक्टर से परामर्श लें।

ओमेगा-3 फैटी एसिड का सेवन: ओमेगा-3 फैटी एसिड्स सर्दियों के दिनों में होने वाली जोड़ों की सूजन, अकड़न और दर्द को कम करने में लाभप्रद हैं। अपने आहार में एवोकाडो, अलसी, अखरोट या फिश को शामिल करें।

सुबह की धूप: विटमिन-डी का एक अच्छा प्राकृतिक स्रोत है धूप। यह हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाती है। धूप में बैठने से जोड़ों के दर्द और सूजन में राहत मिलती है।

कंप्यूटर पर कार्य करने वाले ध्यान दें: लगातार कई घंटों तक एक ही कुर्सी और कंप्यूटर के आगे बैठे-बैठे आपके जोड़ अकड़ जाते हैं, इसलिए ऑफिस में लगभग डेढ़ घंटे में सीट छोड़कर पांच मिनट के लिए घूमें-फिरें, शरीर को स्ट्रेच करें।

राहत दे सकते हैं ये तरीके: प्रभावित जोड़ों पर गर्म और ठंडे पानी की पट्टियों के इस्तेमाल से जोड़ों के दर्द में राहत मिलती है। गर्म पानी की बोतल का इस्तेमाल किया जा सकता है। वहीं एक कपड़े में लपेटकर बर्फ के टुकड़ों (आइस क्यूब्स) को दर्द से प्रभावित स्थान पर इस्तेमाल कर सकते हैं। *

प्रस्तुति: विवेक शुक्ला

हर्बल जोन / रेखा देशराज

मौसमी रोगों से बचाए अदरक-तुलसी

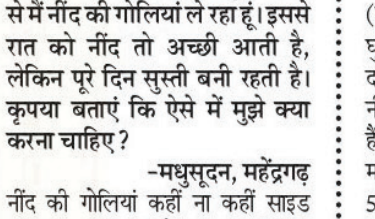

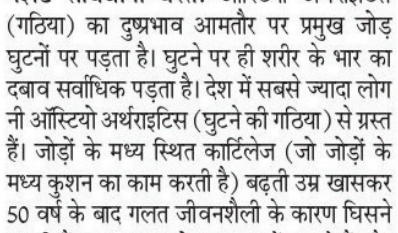

अदरक और तुलसी यूं तो हर मौसम में शरीर के लिए अलग-अलग वजहों से फायदेमंद हैं। लेकिन सर्दियों की समस्याओं के लिए ये बहुत ही कारगर साबित होते हैं। सर्दियों की सबसे आम और परेशान करने वाली समस्याओं से छुटकारा दिलाने में इनका कोई सानी नहीं है। सर्दी के मौसम में शरीर की आंतरिक गर्मी घट जाती है। खून का प्रवाह धीमा पड़ जाता है और शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कमजोर पड़ जाती है। इसलिए आयुर्वेद में सर्दियों का मुकाबला करने के लिए इनको सर्वोत्तम माना गया है। ये शरीर को बाहर से आने वाली ठंड और भीतर से पैदा होने वाली अशक्तता से हमें बचाते हैं।

नेचुरल हीटर अदरक: जब ठंडी हवा से शरीर का तापमान गिरने लगता है, तब अदरक का इस्तेमाल करने से तापमान गिरने से रुक जाता है। सर्दियों में अदरक के इस्तेमाल से, नाक जाम होने से, गला खराब होने से और बलगम बनने से रोकता है, ब्लड सर्कुलेशन बढ़ने से हाथ-पैर गर्म रहते हैं। यही नहीं अदरक इस मौसम में हमारे पाचन को भी सुधारता है और शरीर में एहसास होने वाले भारीपन को खत्म करता है। सवाल है, इसे कैसे ले सकते हैं? सुबह के समय अदरक वाली काली चाय या काढ़ा विशेष रूप से कारगर है। अगर यह नहीं लेते तो शहद के साथ अदरक का एक छोटा टुकड़ा मुंह में चूसने से भी शरीर को भरपूर गर्मी मिलती है। अदरक इस मौसम में हमारे रक्त संचार को तेज करता है और शरीर को गर्म रखता है। अदरक पाचन के लिए इस मौसम की सबसे कारगर दवा है।

रोगरोधी पौधा-तुलसी: आयुर्वेद में तुलसी को सर्दी के मौसम का सबसे शक्तिशाली रोगरोधी कवच माना जाता है। यह एंटीवायरल और एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर होती है। इसलिए इस मौसम में होने वाली खांसी और गले की सूजन को रोकती है। सांस की नली साफ रखती है और ठंड में फैलने वाले वायरस की रोकथाम करती है। इस तरह देखा जाए तो तुलसी सर्दियों में नाक, कान, गला तीनों की सुरक्षा करती है। जहां तक सवाल है कि इसे कैसे लें, तो इसका सबसे अच्छा तरीका तुलसी की सात से दस पत्तियां सुबह-सुबह चाय या काढ़े के साथ लें या चार पत्तियां उबालकर भाप भी ली जा सकती है। अदरक और तुलसी मिलकर सर्दी, जुकाम के वायरस को बढ़ने नहीं देते हैं। दोनों का एक साथ सेवन बहुत कारगर है। तुलसी गले को नेचुरल एंटीसेप्टिक की तरह साफ करती है और अदरक गर्माहट देकर गले की सूजन और दर्द कम करती है। इसलिए सर्दियों में ठंडी हवाओं के असर से वो लोग बचे रहते हैं, जो इस मौसम में इन दोनों का इस्तेमाल करते हैं। *

डाइट सजेशन

डॉ. माजिद अलीम

जरूरी नहीं कि हर हेल्दी फूड आपको फायदा ही पहुंचाए। अगर उसे आप सही तरीके से नहीं लेते तो फायदेमंद खाद्य पदार्थ भी कोई लाभ नहीं पहुंचाएगा या हो सकता है आपको नुकसान पहुचा दे। इसलिए यह जानना जरूरी है कि किसी फूड आइटम को कैसे ग्रहण करना चाहिए?

हेल्दी फूड्स लेने का तरीका भी हो सही

हमारे खान-पान में बहुत सारी ऐसी चीजें होती हैं, जिनके फायदेमंद होने में कोई शक नहीं होता, लेकिन अगर उन्हें सही तरीके से न लिया जाए तो उनके फायदों से ज्यादा नुकसान भी हो सकते हैं। आइए कुछ ऐसी ही बातें जानते हैं।

इन बातों को रखें ध्यान: ड्राय फ्रूट्स खाना बढ़िया होता है, इससे खूब फाइबर मिलता है। पर क्या आप जानते हैं, फल जो सुखा दिए जाते हैं, उनके भीतर अपने ताजे स्वरूप से तीन गुना से भी ज्यादा कैलोरी होती है। शुगर की मात्रा भी बढ़ जाती है।

मूंगफली छीलकर खाना लाभकारी है पर डिब्बा या पैकेट में नमक लगाकर तली मूंगफली खाना नुकसानदेह है। केले में फाइबर, पोटैशियम, विटामिन-सी और थोड़ा-सा फैट तथा थोड़ी कैलोरी मिलती है, पर इसके मुकाबले में इसके चिप्स में तीन गुना कैलोरी और 20 प्रतिशत अधिक फैट होता है। इसलिए सोच-समझकर सेवन करें।

फलों का जूस: फ्रूट जूस पीना बढ़िया है पर यह तब नुकसानदायक हो जाता है, जब यह ताजा न हो। इसमें बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। बहुत से लोग फल खाने से ज्यादा जूस पीने को तरजीह देते हैं, जबकि सच्चाई यह है कि

जूस के जरिए एक साथ आप खूब सारी शुगर ले रहे होते हैं और फल से मिलने वाले लाभदायक फाइबर से भी वंचित रह जाते हैं। ताजा जूस पी सकते हैं लेकिन फल खाने को तरजीह देनी चाहिए। हालांकि इसमें भी सावधानी की दरकार है। जो भी फल खाएं, खूब अच्छी तरह धोकर ही खाएं।

अंडे: हेल्थ बनाने के लिए ही नहीं मोटापा कम करने के लिए भी अंडे बहुत बढ़िया हैं, पर तभी जब ये देसी वाले हों। कहने का मतलब ऑर्गेनिक हों यानी बिना कृत्रिम खाद्य पदार्थों, शाकाहारी शुद्ध दानों पर पले मुर्गे-मुर्गियों के अंडे हों। जब ऑमलेट खाएं तो साथ में उबली सब्जियां भी लें, यह और फायदेमंद रहेगा।

मल्टीग्रेन ब्रेड: ब्राउन ब्रेड के अलावा आजकल बाजार में मल्टीग्रेन और होल ग्रेन ब्रेड की डिमांड है। बताया जाता है कि मल्टीग्रेन में कई तरह के अनाजों का आटा मिला हुआ होता है और यह होल ग्रेन यानी समूचे गेहूं के आटे से बना ब्रेड फाइबर से भरा तथा सेहत के लिए लाभकारी होता है।

जबकि अधिकतर अनाज का रिफाइंड आटा ही इसमें होता है। इसके खाने से शुगर बढ़ सकती है। इस तरह यह मोटापे और डायबिटीज का रिस्क बढ़ा सकती है।

सोयाबीन: सोयाबीन प्रोटीन का खजाना है लेकिन कुछ पोषक तत्वों के अवशोषण में रुकावट भी पैदा करता है। सोयाबीन में फायटिक एसिड पाया जाता है, जो कैल्शियम, मैग्नीशियम, कॉपर, जिंक, लौह तत्वों को शरीर में सोखने से रोकता है। इसमें ट्रिप्सिन भी मिलता है, जो प्रोटीन के पाचन में दिक्कत करता है और अग्नाशय के कार्य में रुकावट डालता है। इससे बना टोफू हो या बड़ियां सीमित मात्रा में खाइए। आजकल फ्लेवर्ड सोया मिल्क पीने का फैशन है। हालांकि यह बुरा नहीं है पर जैसे ही वनीला या चॉकलेट फ्लेवर इसमें मिलाया जाता है, इसके हर कप में 50-60 कैलोरी और 5 ग्राम शुगर बढ़ जाती है। इसलिए इसका सेवन सीमित मात्रा में ही करें। *

अवेयरनेस

रेखा

एपिलेप्सी नियंत्रण के साथ जागरूकता की है जरूरत

एपिलेप्सी या मिर्गी मस्तिष्क संबंधी रोग है। यह घातक तो नहीं होता लेकिन इस वजह से रोगी को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसके कारण, इससे बचाव करने, इसे कंट्रोल करने के तरीकों के बारे में सभी को जागरूक होना चाहिए।

अनुमान के मुताबिक भारत में एक करोड़ से एक करोड़ 20 लाख के आस-पास मिर्गी (एपिलेप्सी) रोगी हैं, जबकि दुनिया में कुल मिर्गी रोगियों की संख्या करीब 5 करोड़ है। इस तरह देखा जाए तो दुनिया का हर पांचवां मिर्गी रोगी भारत में है। इसलिए विश्व स्वास्थ्य संगठन और लैंसेट न्यूरोलॉजी रिपोर्ट के मुताबिक भारत मिर्गी रोगियों का सबसे बड़ा देश है। दुनिया के करीब एक करोड़ 20 लाख से एक करोड़ 50 लाख के आस-पास मिर्गी रोगी अफ्रीका महाद्वीप में रहते हैं। मिर्गी रोगियों का एक बड़ा हब संयुक्त राज्य अमेरिका भी है, जहां 30 से 40 लाख मिर्गी रोगी रहते हैं। भारत में दुनिया के सर्वाधिक मिर्गी रोगी होने की बड़ी वजह यही है कि भारत दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाला देश है, इसलिए यहां मिर्गी रोगी भी सबसे ज्यादा हैं। दूसरी बड़ी बात यह है कि भारत के ग्रामीण इलाकों और विशेषकर गरीब आबादी के पास इसके इलाज की पहुंच नहीं है।

रोग के कारण: मिर्गी अपने आपमें कोई बीमारी नहीं है बल्कि यह मस्तिष्क की विद्युत गतिविधियों में असंतुलन की स्थिति है और ऐसा कई वजहों से होता है। जन्म के समय या बचपन में मस्तिष्क को गंभीर चोट लग जाना, जिससे कुछ देर के लिए दिमाग के कुछ हिस्से में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है। सिर की चोट, मस्तिष्क में ट्यूमर, लकवा यानी स्ट्रोक तथा आनुवांशिक कारण भी भारत में सर्वाधिक मिर्गी रोगियों के लिए अनुकूल स्थितियां बनाते हैं। ज्यादा शराब पीने वाले या बहुत कम नींद लेने वाले लोगों को भी यह समस्या हो जाती है। इसके अलावा 10 फीसदी लोगों के संबंध में मेडिकल साइंस कभी यह नहीं जान पाती कि उन्हें मिर्गी रोग होने का क्या कारण है? इसलिए तमाम लोगों को अस्पष्ट कारणों से भी मिर्गी होती है।

रिस्क को कर सकते हैं कम: विशेषज्ञों की मानें तो मिर्गी को तो पूरी तरह से रोका नहीं जा सकता, लेकिन सजग रहकर इसके जोखिम को कम किया जा सकता है। मिर्गी रोग से बचने के जो सजग उपाय हो सकते हैं, वो इस प्रकार हैं।

जन्म के समय सुरक्षित प्रसव जरूरी है ताकि बच्चे के स्वास्थ्य की देखभाल सही तरीके से हो सके और प्रसव के दौरान उसके मस्तिष्क में ऑक्सीजन की कमी की स्थितियां न पैदा हों। सिर की चोट से बचाव करना बहुत जरूरी है। इसके अलावा मैनिनजाइटिस और जापानी इंसेफेलाइटिस के टीके लगवाना भी जरूरी होता है। पर्याप्त नींद लें, नशे से दूर रहें, तनाव से बचें, ये कुछ ऐसे उपाय हो सकते हैं, जिनसे मिर्गी की चपेट में आने से बचा जा सकता है।

ऐसे कर सकते हैं कंट्रोल: अगर आप मिर्गी से ग्रस्त हो गए तो भी कुछ उपायों को अपनाकर इसे कंट्रोल कर सकते हैं। सबसे जरूरी है कि न्यूरोलॉजिस्ट से नियमित दवा लें, दवा अचानक लेना बंद न करें, इससे दौरे बढ़ सकते हैं। संतुलित जीवनशैली अपनाएं, ध्यान, योग और परिवार का सहयोग जैसे उपाय भी मिर्गी के इलाज और स्थिति पर नियंत्रण रखने की दृष्टि से मददगार हैं। मिर्गी के कुछ गंभीर मामलों में सर्जरी या वेगस नर्व स्टिमुलेशन (वीएनएस) जैसी तकनीकें भी कारगर होती हैं।

जागरूकता की है जरूरत: वास्तव में मिर्गी मस्तिष्क संबंधी बीमारियों से एक है और चूंकि भारत में मस्तिष्क स्वास्थ्य अभी गरीब और निम्न वर्ग तथा मध्यवर्ग के लोगों के बीच इससे बचाव की सुविधाएं और समझ सीमित है। ग्रामीण इलाकों में लोग इसे भूत-प्रेत या टोना टोटका से जोड़ देते हैं। इससे इलाज में देर होती है और रोगी की दशा बिगड़ती जाती है। इस बीमारी के कारण कई लोगों को रोजगार, विवाह या शिक्षा के अवसरों से वंचित होना पड़ता है। इसलिए अवेयरनेस फैलाने की भी जरूरत है। *

सघन कुष्ठ खोज अभियान हेतु जिला स्तर पर हुआ प्रशिक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यकम के तहत सघन कुष्ठ खोज अभियान हेतु जिला स्तर पर प्रशिक्षण का आयोजन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय के सभा कक्ष में किया गया। यह कार्यकम राज्य शासन के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर एस जयवर्धन के मार्गदर्शन में 8 से 31 दिसम्बर तक जिले के समस्त ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में किया जायेगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ कपिलदेव पैकरा ने बताया की कुष्ठ एक संक्रामक रोग है जो संक्रमित व्यक्ति के खासने छिकने से निकलने वाले ड्रापलेट के माध्यम से फैलता है। यह शरीर में बहुत धीमी गति से बढ़ता है इसलिए इसके लक्षण दिखने में 03 से 20 वर्ष तक लग सकते है इसलिए प्रारंभिक अवस्था में ही इसका पहचान एवं उपचार अत्यंत आवश्यक है। जिला कुष्ठ अधिकारी ने बताया की हमें इस अभियान में बेहतर ढंग से कार्य करना है ताकि छुपे हुए कुष्ठ के मरीजों को पहचान कर समय से उनका उपचार किया जा सके और दूसरे स्वस्थ्य व्यक्तियों को इस बिमारी से बचाया जा सके। प्रशिक्षण में जिला कार्यकम प्रबंधक, खण्ड चिकित्सा अधिकारी, जिला कार्यकम प्रबंधक, जिला मितानीन समन्वयक, खण्ड विस्तार प्रशिक्षण अधिकारी, खण्ड कुष्ठ नोडल अधिकारी, खण्ड डाटा प्रबंधक एवं खण्ड कुष्ठ प्रभारी उपस्थित रहें।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा ग्राम के समस्त बुजुर्गों से अपिल की गई है की मेले में उपस्थित होकर मेले का लाभ लेवे।

मूकबधिर बच्चों के प्रति ये कैसी संवेदना, करा रहे मजदूरी और सफाई

0 वीडियो वायरल होने के बाद शिवसेना ने जिला प्रशासन को सौंपा ज्ञापन, कार्रवाई की मांग
0 विश्रामपुर स्थित मूकबधिर विद्यालय प्रबंधन पर लगे गंभीर आरोप

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शिवसेना ने जिला प्रशासन को ज्ञापन देकर विश्रामपुर स्थित मूकबधिर विद्यालय के खिलाफ गम्भीर आरोप लगाए है।ज्ञापन में कहा गया है कि अत्यंत गंभीर, संवेदनशील और हृदयविदारक मामला हैं, जो न केवल शिक्षा व्यवस्था की विफलता, बल्कि मानवता पर कलंक जैसा है।ज्ञापन के अनुसार विश्रामपुर स्थित ज्ञानोदय मूक-बधिर विद्यालय में पढ़ाई करने वाले मासूम मूक-बधिर बच्चों से जबरन मजदूरी, सफाई कार्य एवं श्रम कराए जाने का वीडियो हाल ही में वायरल हुआ है। यह दृश्य न केवल विचलित करने वाला है, बल्कि यह दर्शाता है कि जहाँ बच्चों को शिक्षा, सुरक्षा और प्यार मिलना चाहिए, वहाँ उन्हें शोषण और अत्याचार का सामना करना पड़ रहा है। जहाँ दिव्यांग बच्चों को विशेष सुविधा मिलनी चाहिए, वहीं उन्हें ताकतवर प्रबंधन के दबाव में काम करने पर मजबूर किया जा रहा है।यह पूरा मामला दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016, बाल अधिकार सरक्षण अधिनियम, तथा शिक्षा संबंधी कानूनों का खुला उल्लंघन है। ज्ञानोदय मूक-बधिर विद्यालय को एस.ई.सी.एल के सरकारी आवास परिसर में अवैध रूप से संचालित किया जा रहा है। यह कृत्य सरकारी संपत्ति के दुरुपयोग के साथ-साथ मूक-बधिर बच्चों की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों पर गंभीर प्रहार है।वीणा कन्या महाविद्यालय,वीएम कॉलेज ऑफ नर्सिंग,डी.पी.एस. स्कूल का

संचालन किया जा रहा है। आरोप है कि संचालक विजयराज अग्रवाल द्वारा एक नशा मुक्ति केंद्र भी वर्षों से बिना उपयोग के बंद पड़ा है।ऐसे जटिल और बहु-संस्थान परिसर में।बच्चों की सुरक्षा पर प्रश्नचिन्ह खड़ा होना स्वाभाविक है। दस्तावेज, पंजीयन, नियमों का पालनकृसब कुछ संदिग्ध प्रतीत होता है। शिवसेना की मांग है कि ज्ञानोदय मूक-बधिर विद्यालय में हुए शोषण की तुरंत उच्च स्तरीय जांच हो, विद्यालय के सभी सीसीटीवी फुटेज की तत्काल जब्ती एवं जांच की जाए।

विद्यालय को एसईसीएल के सरकारी आवास परिसद में अवैध रूप से संचालित किया जा रहा है। यह कृत्य सरकारी संपत्ति के दुरुपयोग के साथ-साथ मूक-बधिर बच्चों की सुरक्षा, सम्मान संस्थानों के पंजीयन, मान्यता, दस्तावेज एवं वित्तीय गतिविधियों की जांच,दोषी प्रबंधन, संचालक एवं सहयोगियों पर तत्काल एफआईआर दर्ज कराया जाए,सभी मूक-बधिर बच्चों की सुरक्षा, काउंसलिंग और वैकल्पिक सुरक्षित शिक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। ज्ञापन में कहा गया है कि आगामी 15 दिनों के भीतर इस मामले में कठोर, पारदर्शी एवं निष्पक्ष कार्रवाई नहीं होती है, तो शिवसेना इकाई शांतिपूर्ण आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।ज्ञापन सौपने वालो में शिवसेना जिलाध्यक्ष विष्णु वैष्णव, ग्रामीण जिलाध्यक्ष हेमन्त महन्त, महिला जिलाध्यक्ष पिंकी पटेल, ब्लॉक अध्यक्ष मोहन सिंह टेकाम एवं नगर प्रमुख शाहिल शामिल थे।

अधिकारियों ने कहा कर रहे जांच

जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा ने बताया कि शिकायत मिली है जिसकी जांच के लिए टीम गठित कर दिया गया है।जांच रिपोर्ट आने के बाद मुकम्मल कार्रवाई की जाएगी।जिला बाल सरंक्षण अधिकारी मनोज जायसवाल के अनुसार जिला प्रशासन की संयुक्त टीम के सदस्य की हैसियत से टीम में शामिल है।शिकायतों की जांच के लिए गए थे रिपोट जिला प्रशासन को दी जाएगी।इधर श्रम अधिकारी के अनुसार शिकायत की जांच की जा रही है।रिपोट मिलने के बाद श्रम अधिनियम की कार्रवाई की जाएगी।

जिला शिक्षा अधिकारी की धकाधक कार्रवाई से विभाग में मची खलबली

लापरवाही पर एक शिक्षक निलंबित, एक की रोकी गई वेतनवृद्धि, दो के खिलाफ की गई कार्रवाई की अनुशंसा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शिक्षा विभाग इन दिनों अपनी छवि सुधारने लगातार कार्रवाई कर रहा है।आज जहाँ एक शिक्षक को निलंबित कर दिया गया है वही एक कि वेतन वर्द्धि रोक दी गई तो दूसरी ओर दो शिक्षको के खिलाफ कार्रवाई की अनुसंसा की गई है। जिला शिक्षा अधिकारी इन दिनों कड़क मूड में है। उन्होंने बताया कि लगातार मिल रही शिकायतों को गम्भीरता से लेकर जांच कराई जा रही है और जांच में शिकायतों की पुष्टि के बाद कार्रवाई में देरी नही हो रही है।उन्होंने कहा कि लापरवाही किसी सूरत पर बर्दाश्त नही की जाए। बहरहाल, प्रतापपुर ब्लॉक के कोडाकू पारा प्रथमिक शाला के शिक्षक धर्मजीत आयाम पर आरोप था कि वे स्कूल मदहोशी में आते है यहां तक कि एस आई आर जैसे कार्य के दौरान भी कुछ यही हालत थी।शिकायत की जांच के बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया है। इसी तरह प्रेमनगर

ब्लॉक के पंडोपारा स्कूल के प्रभारी प्रधान पाठक हीरासिंह मरकाम के विरुद्ध दो वेतन वृद्धि रोकने की कार्रवाई की गई है।शिकायत थी कि स्कूल के टाइम पर स्कूल में तालाबंद मिला था। जिसकी जांच कराई गई जांच में शिकायत सही पाए जाने पर यह कार्रवाई सुनिश्चित की गई। दुसरीं ओर रामानुजनगर ब्लॉक के अर्जुनपुर के शिक्षक मो शमशीर मंसूरी पर मध्यान्ह भोजन की 72 हजार रुपए की राशि हड़पने का आरोप सामने आया था।इसकी भी जांच कराई गई जिसमें शिकायत की पुष्टि के बाद शिक्षक मंसूरी के विरुद्ध कार्रवाई की अनुसंसा संयुक्त संचालक से की गई है। मंजीरा की शिक्षिका कु अनुराधा कुजूर पर बस्ता फेंकवाने का आरोप था। जिसकी भी जांच के बाद कार्रवाई की अनुसंसा की गई है।इस तरह की धकाधक कार्रवाई से विभाग में खलबली मच गई है।

जिला प्रशासन की टीम ने जप्त किया 204 क्विंटल अवैध धान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में धान के अवैध खरीदी बिक्री पर प्रशासन की टीम लगातार कार्रवाई हेतु सक्रिय

है। कलेक्टर एस जयवर्धन के निर्देश पर सक्रिय टीम के द्वारा दो स्थानों पर कोचियों एवं बिचौलियों पर कार्रवाई किया गया है। मुंशीपाल सिंह द्वारा ग्राम लटोरी में स्थित किसान क्रांति दुकान से 200 बोरियो में भरा 80 क्विंटल तथा जयंत कुमार जायसवाल द्वारा ग्राम करवां में स्थित गोदाम परिसर से 109 बोरा करीब 43.60 क्विंटल धान राजस्व, खाद्य एवं मंडी विभाग की संयुक्त टीम द्वारा जप्त किया गया।

उल्लेखनीय है कि अब तक की गई कार्रवाई के अनुसार जिले में कुल 35 प्रकरण दर्ज कर 2697 क्विंटल धान जप्त किया गया है।

धान का अवैध परिवहन करते पकड़ाया ट्रक

शुक्रवार की सुबह प्रतापपुर क्षेत्र के चाचीडांड डांडकरवां में सुबह बड़ी कार्रवाई की गई। सुबह 5 बजे एक छहपहिया वाहन में 200 बोरी लगभग 80 क्विंटल धान का अवैध परिवहन किया जा रहा था, जिसे टीम द्वारा मौके पर पकड़ा गया। अवैध परिवहन में उपयोग किए गए वाहन सहित समस्त धान को जब्त कर सहकारी समिति रेवटी को सुपुर्द किया गया। इस कार्रवाई में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व प्रतापपुर, नायब तहसीलदार एवं खाद्य निरीक्षक की सक्रिय भूमिका रही।

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी
पत्थलगांव, जिला जशपुर (छ०ग०)
रा०गा०क्र०/ब–121/2024–25
ग्राम ईला तहसील पत्थलगांव

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम ईला को सूचित किया जाता है, कि आवेदक डिलेश्वर प्रसाद यादव पिता रघु राम जाति महकुल निवासी ईला, तहसील पत्थलगांव, जिला–जशपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर अपने पुत्र कुणाल यादव जन्म ग्राम ईला में दिनांक 08.05.2009 को हुआ है। जिसका नाम का पंजीयन ग्राम ईला के जन्म पंजी में दर्ज किये जाने का निवेदन किया गया है। आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, चालान की प्रति, अनुपलब्धता प्रमाण–पत्र, एवं अंकसूची की छायाप्रति, पंचनामा की छायाप्रति संलग्न है। प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को उजर आपत्ति या दावा हो तो वह स्वयं अथवा मान्य अधिवक्ता अथवा वैध अभिकर्ता के मय दस्तावेज दिनांक 12/11/2025 तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि पश्चात् प्राप्त दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 28/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया है।

तहसीलदार
एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी
पत्थलगांव जिला–जशपुर (छ०ग०)

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी
पत्थलगांव, जिला जशपुर (छ०ग०)
ग्राम पालीडीह तहसील पत्थलगांव
रा०गा०क्र०/ब–121/2024–25

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम पालीडीह को सूचित किया जाता है, कि आवेदक क्षमानिधी यादव पिता चौतनराम यादव जाति महकुल निवासी पालीडीह, तहसील–पत्थलगांव जिला– जशपुर (छ०म०) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर अपने पुत्री पुष्पा यादव जन्म ग्राम पालीडीह में दिनांक 29.04.1988 को हुआ है। जिसका नाम का पंजीयन ग्राम पालीडीह के जन्म पंजी में दर्ज किये जाने का निवेदन किया गया है। आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, चालान की प्रति अनुपलब्धता प्रमाण–पत्र, एवं अंकसूची की छायाप्रति, पंचनामा की छायाप्रति संलग्न है। प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को उजर आपत्ति या दावा हो तो वह स्वयं अथवा मान्य अधिवक्ता अथवा वैध अभिकर्ता के मय दस्तावेज दिनांक 12/11/2025 तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि पश्चात् प्राप्त दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 28/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार
एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी
पत्थलगांव जिला–जशपुर (छ०ग०)

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी
पत्थलगांव, जिला जशपुर (छ०ग०)
रा०गा०क्र०/ब–121/2025–26
ग्राम–दिवानपुर, तहसील पत्थलगांव

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम पंचायत ईला को सूचित किया जाता है, कि आवेदक उदय राम यादव पिता कप्तान यादव जाति महकुल निवासी ग्राम ईला, वार्ड नंबर 01. ईला, तहसील पत्थलगांव, जिला जशपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर अपने पुत्री सावित्री यादव पिता उदय राम यादव, जाति महकुल की जन्म ग्राम ईला में दिनांक 06.06. 1968 को हुआ था। जिसका पंजीयन ग्राम पंचायत ईला के जन्म पंजी में दर्ज किये जाने का निवेदन किया गया है। आवेदक के आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, चालान की प्रति. अनुपलब्धता प्रमाण–पत्र, पंचनामा, मार्कशीट संलग्न किया है। प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को उजर आपत्ति या दावा हो तो वह स्वयं अथवा मान्य अधिवक्ता अथवा वैध अभिकर्ता के मय दस्तावेज दिनांक 28/10/2025 तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि पश्चात् प्राप्त दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 17/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार
एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी
पत्थलगांव जिला–जशपुर (छ०ग०)

न्यायालय तहसीलदार, पत्थलगांव
जिला–जशपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र/बी–121/2024–25
ग्राम ईला तहसील पत्थलगांव

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम पंचायत ईला को सूचित किया जाता है कि आवेदक रघुराम यादव पिता बुधूराम जाति महकुल निवासी ग्राम ईला तहसील, पत्थलगांव जिला जशपुर द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर अपने पुत्र डिलेश्वर प्रसाद यादव पिता रघुराम यादव का जन्म ग्राम ईला में दिनांक 07.05.1978 को हुआ है। जिसका नाम का पंजीयन ग्राम पंचायत ईला के जन्म पंजी में दर्ज किये जाने का निवेदन किया गया है। आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र चालान की प्रति चालान की प्रति अनुपलब्धता प्रमाण पत्र एवं अंकसूची की छायाप्रति पंचनामा की छायाप्रति सलग्न है। उक्त प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को उजर आपत्ति या दावा हो तो वह स्वयं अथवा मान्य अधिवक्ता अथवा वैध अभिकर्ता के मय दस्तावेज दिनांक 14.10.2025 तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि पश्चात् प्राप्त दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।आज दिनांक 30.09.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार
पत्थलगांव जिला–जशपुर (छ०ग०)

न्यायालय तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी
पत्थलगांव, जिला जशपुर (छ०ग०)
रा०मा०क्र०/ब–121/2024–25
ग्राम–ईला, तहसील पत्थलगांव

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम पंचायत ईला को सूचित किया जाता है, कि सुन्दरा राम यादव पिता दैतारी जाति महकल निवासी ग्राम ईला, तहसील पत्थलगांव, जिला जशपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत कर अपने पुत्र टिकेश्वर प्रसाद यादव का ग्राम ईला में जन्म दिनांक 16.07.1967 को ग्राम ईला में जन्म हुआ है। जिसका नाम ग्राम पंचायत ईला के के जन्म पंजी में दर्ज किये जाने का निवेदन किया गया है। आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, चालान की प्रति, अनुपलब्धता प्रमाण–पत्र, पंचनामा एवं अंकसूची संलग्न है। प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को उजर आपत्ति या दावा हो तो वह स्वयं अथवा मान्य अधिवक्ता अथवा वैध अभिकर्ता के मय दस्तावेज दिनांक 28/10/2025 तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि पश्चात् प्राप्त दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 13/10/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

तहसीलदार
पत्थलगांव जिला–जशपुर (छ०ग०)

न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) धौरपुर,
जिला सरगुजा, (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०./अ–2/2025–26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व–साधारण ग्राम अमड़ी को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजेश्वर यादव आ० मंगरू, जाति अहीर, निवासी ग्राम चन्देश्वरपुर, तहसील लुण्ड्रा (धौरपुर), जिला सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य भूमि स्थित ग्राम अमड़ी, तहसील लुण्ड्रा (धौरपुर) स्थित खसरा नंबर 150/15 रकबा 0.161 हे० भूमि को कृषि भिन्न से व्यवसायिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए बी–1, खसरा, रजिस्ट्री इत्यादि सहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 17/12/2025 को मेरे न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा–आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 03/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा०)
धौरपुर,
जिला : सरगुजा (छ.ग.)

नवाटोला में मंत्री लक्ष्मी ने किया 74.37 लाख के मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ निर्माण का भूमिपूजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। प्रदेश में ग्रामीण संपर्क मार्गों को सुदृढ़ बनाने की दिशा में राज्य सरकार

निरंतर महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। इसी कड़ी में शुक्रवार को महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने जिले के ग्राम नवाटोला, तेलगवां, माडर में मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना अंतर्गत स्वीकृत सड़क निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, विभागीय अधिकारियों, पंच-सरपंचों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण इलाकों में आवागमन सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि गांवों का हर मौसम में सुचारू रूप से विकास से जुड़ाव बना रहे। योजना के तहत कुल 0.90 किमी लंबाई की सीसी सड़कों एवं नाली निर्माण का कार्य स्वीकृत हुआ है। इनमें ओडगी नवाटोला मुख्य मार्ग से खालबहरा मार्ग तक 0.20 किमी सड़क, लागत 17.07 लाख रुपए,मेन रोड भंडारापारा से बगीचा मार्ग तक 0.20 किमी सड़क, लागत 17.07 लाख रुपए,देवलपारा से संतलाल तक 0.50 किमी सड़क, लागत 40.23 लाख रुपए शामिल है।

मंत्री बोलीं-ग्रामीण इलाकों में बेहतर सुविधाओं के लिए सरकार प्रतिबद्ध

इन निर्माण कार्यों पर कुल 74.37 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। इन सड़कों के निर्माण से ग्रामीणों को पक्की सड़क की सुविधा प्राप्त होगी, जिससे दैनिक आवागमन आसान होगा तथा छात्रों, किसानों और कामकाज के लिए आने-जाने वाले लोगों को विशेष लाभ मिलेगा। बारिश के मौसम में भी परिवहन व्यवस्था अब निर्बाध रहेगी। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री ग्राम गौरव पथ योजना गांवों में सतत विकास और मजबूत बुनियादी ढांचे की दिशा में राज्य सरकार की प्राथमिकता को दर्शाती है। आने वाले समय में ऐसे और भी कार्यों को गति दी जाएगी ताकि प्रत्येक गांव बेहतर सड़क सुविधा से जुड़ सके।

विश्व मृदा दिवस पर 67 किसानों को किया गया प्रमाणित बीज वितरित

मृदा की सुरक्षा हेतु दिलाई गई शपथ एवं जैविक खेती हेतु किया गया प्रोत्साहित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। विश्व मृदा दिवस पर कृषि विभाग के मार्गदर्शन में जिले के ग्राम पंचायत सोनगरा, पीपरपारा, श्यामनगर में किसानों के लिए जागरूकता कार्यक्रम एवं विस्तृत बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कृषि विशेषज्ञों द्वारा मृदा स्वास्थ्य के महत्व, मिट्टी परीक्षण की आवश्यकता, फसल चक्र अपनाने के लाभ, जैविक एवं हरी खाद के उपयोग के तरीके, तथा मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने के वैज्ञानिक उपायों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।

कार्यक्रम के दौरान किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड की विशेषताएँ तथा उसके आधार पर फसल एवं खाद प्रबंधन के सही तरीकों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कृषि अधिकारियों ने उपस्थित किसानों की शंकाओं का समाधान करते हुए व्यावहारिक सुझाव भी दिए। किसानों ने भी मिट्टी प्रबंधन से संबंधित अपने अनुभव साझा किए तथा कई महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे, जिनके उत्तर कृषि विभाग द्वारा दिए गए। रबी सीजन में फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कुल 67 किसानों को सरसों, चना एवं मूंग के प्रमाणित बीज वितरित किए गए। कार्यक्रम किसानों में मिट्टी संरक्षण, सतत कृषि पद्धतियों तथा बेहतर कृषि प्रथाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ।

कार्यक्रम के अंत में सरपंच, जनपद सदस्य एवं किसानों की उपस्थिति में मृदा की सुरक्षा हेतु सामूहिक शपथ ग्रहण करवाया गया तथा जैविक खेती हेतु प्रोत्साहित किया गया।

मंगल भवन में 11 को होगा जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। युवा उत्सव का जिला स्तरीय आयोजन यहां मंगल भवन में 11 दिसंबर को किया जाएगा। कलेक्टर एस. जयवर्धन एवं जिला पंचायत सीईओ विजेन्द्र कुमार पाटले के मार्गदर्शन में आयोजित उक्त कार्यक्रम में जिले के समस्त विकासखण्ड मुख्यालय से प्रतिभागी दल शामिल होंगे। खेल अधिकारी श्रीमती आरती पाण्डेय ने बताया कि युवा उत्सव का आयोजन विकासखण्ड स्तरीय युवा महोत्सव विकासखण्ड में न होकर इस वर्ष जिला स्तरीय में आयोजित होगा। जिला स्तर में चयनित प्रतिभागी दल राज्य स्तरीय युवा उत्सव में भाग लेगे। विकासखण्ड स्तरीय के लाने एवं ले जाने नोडल समस्त जनपद पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं सहायक नोडल खण्ड शिक्षा अधिकारी को नियुक्त किया गया है। शासन द्वारा इस वर्ष युवा उत्सव का उद्देश्य राज्य के प्रत्येक जिले के युवाओं को सांस्कृतिक गतिविधियों से जोडने एवं उनकी प्रतिभाओं को निखारने के उद्देश्य से वृहद स्तर पर किया जायेगा। युवा उत्सव में 14 विधायें सम्मिलित की गई है, जिसमें सामूहिक लोक नृत्य, पंथी नृत्य, सुआ नृत्य, करमा नृत्य, राउत नाचा, सामूहिक लोक गीत, कहानी लेखन, चित्रकला, तात्कालिक, वाद-विवाद, कविता लेखन, नावाचार, विज्ञान मेला, एकांकी नाटक, पारम्परिक वेशभूषा जिसमें से केवल रॉकबैड भी आयोजित किया जायेगा। युवा उत्सव में 15 से 29 एवं 18 से 40 आयु वर्ग के महिला पुरुष प्रतिभागी दल भाग ले सकते है। आयोजन में भाग लेने अथवा किसी भी प्रकार की जानकारी हेतु प्रतिभागी दल कार्यालयीन दिवस में खेल एवं युवा कल्याण विभाग, संबंधित जनपद पंचायत कार्यालय अथवा विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी आदि से संपर्क कर सकते है।

नवगई से युवक लापता

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिहारपुर। ग्राम नवगई का एक युवक पिछले दो दिनों से लापता है। बताया गया है कि 27 वर्षीय सतीश जायसवाल 2 दिसम्बर को सुबह घर से निकला था जिसके बाद से वह घर नहीं लौटा है। परिजनों के अनुसार सतीश रोज की तरह घर से बाहर गया था लेकिन देर शाम तक घर नहीं लौटा। परिवार ने अपने स्तर पर पतासाजी की मगर युवक का कहीं पता नहीं चल सका है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना

क्र.सं. (1) ई-निविदा सूचना संख्याः 82-एसटी-टेंडर-2025, दिनांकः 29.11.2025

कार्यः एस एंड टी कार्य से संबंधितः (1) चिरमिरी (CHRM) में अतिक्रमणकारी ट्रेस्टल्स को बदलने के लिए 3 मीटर चौड़े एफओबी का निर्माण, (2) कोटमा (KTMA) में अतिक्रमणकारी ट्रेस्टल्स को बदलने के लिए 3 मीटर चौड़े एफओबी का निर्माण, (3) रुपाउण्ड (RPD) में अतिक्रमणकारी ट्रेस्टल्स को बदलने के लिए 3 मीटर चौड़े एफओबी का निर्माणए (4) एलओआरएचए (LOA) में उल्लंघनकारी ट्रेस्टल्स को बदलने के लिए 3 मीटर चौड़े एफओबी का निर्माण, (5) बिजुरी (BJRI) में उल्लंघनकारी ट्रेस्टल्स को बदलने के लिए 6 मीटर चौड़े एफओबी का निर्माण, (6) मनेंद्रगढ़ (MDGR) में उल्लंघनकारी ट्रेस्टल्स को बदलने के लिए 6 मीटर छिपे हुए एफओबी का निर्माण, (7) चंदिया (CHD) में उल्लंघनकारी ट्रेस्टल्स को बदलने के लिए 6 मीटर चौड़े एफओबी का निर्माण, (8) गति बढ़ाकर 45 से 75 किमी प्रति घंटा SDL-BDWA अप और डाउन लाइन किमी संख्या 912/25-26 से 914/05-07, (9) बिलासपुर मंडल के बिजुरी (BJRI) बैलास्ट साइडिंग (BBSB) स्टेशन पर एक हुक में 02 नग पूर्ण रैक हैंडलिंग क्षमता का प्रावधान।

निविदा मूल्य- ₹ 3,13,21,435.47/- (तीन करोड़ तेरह लाख इक्कीस हजार चार सौ पैंतीस रूपये और सैंतीलीस पैसे मात्र), अमानत राशि- ₹ 3,06,600/- (तीन लाख छह हजार छह सौ रूपये मात्र)।, निविदा का जमा होनाः दिनांकः 22.12.2025 के 15.00 बजे तक।

उपरोक्त ई-निविदा की पूरी जानकारी https://www.ireps.gov.in. वेबसाइट पर उपलब्ध है, उपरोक्त निविदा हेतु ई-टेंडर के अलावा अन्य टेंडर स्वीकार नहीं की जाएगी।

मं.संकेत एवं दूर. इंजी. (एमएल)
सीपीआर/10/508 द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 9713108088
8719000259

कोरिया फ्रंटलाइन

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने किया धान खरीदी केन्द्रों का दो दिवसीय औचक निरीक्षण

धान खरीदी केन्द्रों में हो रही परेशानी से किसानों ने कराया अवगत

छ.ग.फ्रंटलाइन मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। जिले के भरतपुर विकासखण्ड में धान खरीदी केंद्रों पर अवैध वसूली, रकबा कटौती, वन अधिकार पंजीयन में लापरवाही और टोकन गड़बड़ी जैसी गंभीर समस्याओं की शिकायतें बढ़ने के बाद पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने लगातार दो दिनों तक औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की हकीकत को जमीन पर जाकर परखा।पहले दिन पूर्व विधायक ने कछौड़, केल्हारी और डोडकी धान उपार्जन केंद्रों का निरीक्षण किया और किसने की समस्याओं से अवगत हुए किसानों ने बताया कि कई किसानों का रकबा शून्य दिखाया गया या उनकी जमीन का हिस्सा कम कर दिया गया। वनाधिकार के पंजीयन में सुधार महीनों से लंबित पड़ा है। साथ ही हम्माली के नाम पर ?25 प्रति क्विंटल अतिरिक्त राशि वसूली जा रही है। पूर्व विधायक ने इसे साफ-साफ अवैध वसूली बताया । पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने मौके पर ही डीएमओ से फोन पर बात कर समस्या से अवगत कराया और तत्काल समस्या की नियंत्रण करने कहा। उन्होंने कहा कि अवैध हम्माली वसूली बंद करें, रकबा और वन अधिकार, पंजीयन सुधार तुरंत पूरा करें। दूसरे दिन पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने जनकपुर, माड़ीसरई, सिंगरौली, कंजिया, कुंवारपुर और बहरासी धान खरीदी समितियों का भ्रमण किया। किसानों ने अपनी समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। रकबा शून्य दिखाने या कम करने की समस्या कई किसानों का पंजीयन सही नहीं होने से खरीदी प्रभावित, वनाधिकार पंजीयन न होने की समस्या, महीनों से लंबित फाइलें, किसान परेशान हो रहे। सिंगरौली समिति में ऑपरेटर द्वारा टोकन काटने में गड़बड़ी किसानों ने बताया कि मनमानी और पक्षपातपूर्ण तरीके से टोकन जारी किए जा रहे हैं। पूर्व विधायक ने अनुविभागीय अधिकारी जनकपुर को फोन कर, टोकन गड़बड़ी रोकने, दोषी ऑपरेटर की जांच, पंजीयन सुधार करने की बात कही है। पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने दोनों दिन की समीक्षा के बाद कहा कि किसान हमारा अन्नदाता है किसानों का शोषण किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं हर किसान को न्याय मिलेगा। उनके साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही या अवैध वसूली बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जहां भी गड़बड़ी मिलेगी, मैं खुद खड़ा रहकर समाधान कराऊंगा। समस्या का समाधान न होने पर आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

स्वदेशी संकल्प यात्रा का नगर में हुआ भव्य स्वागत

श्रीराम मंदिर से उठी स्वदेशी भावना की ज्योति

छ.ग.फ्रंटलाइन मनेन्द्रगढ़ (एमसीबी) । जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ में गत दिवस स्वदेशी संकल्प यात्रा का भव्य आयोजन हुआ। यह यात्रा स्वदेशी विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने तथा स्थानीय उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से निकाली गई। कार्यक्रम की शुरुआत नगर के ऐतिहासिक श्रीराम मंदिर परिसर से हुई, जहाँ वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पूजा-अर्चना सम्पन्न की गई। पुरोहितों द्वारा विधिवत पूजा के बाद उपस्थित जनसमूह को स्वदेशी भावना को अपनाने का संकल्प दिलाया गया,देशभक्ति के नारों से गूंजता रहा । नगर यात्रा में स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों, सामाजिक संगठनों, महिलाओं और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में तिरंगा और स्वदेशी उत्पाद अपनाने से संबंधित तख्तियाँ लिए नागरिकों ने पूरे नगर में देशभक्ति और आत्मनिर्भरता का संदेश दिया। मुख्य बाजार, हजारी चौक और प्रमुख गलियों से होते हुए यात्रा आगे बढ़ी। अनेक स्थानों पर नागरिकों और दुकानदारों ने पुष्पवर्षा कर अतिथियों का स्वागत किया तथा अभियान से के साथ जुड़ने की इच्छा जताई,स्थानीय उद्योगों को सशक्त बनाने पर जोर यात्रा में शामिल वक्ताओं ने कहा कि स्वदेशी केवल एक अभियान नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय चेतना है। इसके माध्यम से न केवल देश की अर्थव्यवस्था सशक्त होती है, बल्कि स्थानीय कारीगरों, छोटे उद्योगों और पारंपरिक रोजगार को भी नई दिशा मिलती है। उन्होंने युवाओं से स्टार्टअप, हस्तशिल्प, और परंपरागत कौशलों को बढ़ावा देने का आह्वान किया ।

एसएनए स्पर्श एवं ई-कुबेर आधारित 'जस्ट-इन-टाइम' के सफल क्रियान्वयन हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण हुई सम्पन्न

जिला अधिकारियों को निधि प्रवाह की नवीन तकनीक से किया गया अपडेट

छ.ग.फ्रंटलाइन एमसीबी। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशन तथा संचालक, कोष एवं लेखा छत्तीसगढ़ रायपुर से जारी आदेश के तहत आज जिला कोषालय में एसएनए-स्पर्श मॉडल एवं आरबीआई आधारित ई-कुबेर 'जस्ट-इन-टाइम' प्रणाली के सफल और सुचारु क्रियान्वयन के उद्देश्य से व्यापक प्रशिक्षण आयोजन किया गया। प्रशिक्षण की अगुवाई जिला कोषालय अधिकारी मनबोध राम यादव ने की। उन्होंने केंद्र प्रवर्तित योजनाओं के लिए निधि प्रवाह (स्न्ह्ठ्ठस्न स्न्द्यश्2) की नवीनतम प्रक्रिया, एसएनए-स्पर्श प्रणाली की कार्यप्रणाली और ई-कुबेर प्लेटफॉर्म के माध्यम से रियल टाइम भुगतान की तकनीक पर विस्तृत जानकारी दी। आज आयोजित प्रशिक्षण में जिले के सभी आहरण एवं संवितरण अधिकारी, लेखापाल और डाटा एंट्री ऑपरेटर शामिल हुए, जिन्हें जस्ट-इन-टाइम प्रणाली के लाभों, भुगतान प्रक्रिया की पारदर्शिता, बजट नियंत्रण की सटीकता एवं निधियों के सीधे और समयबद्ध हस्तांतरण जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान जिला स्तर पर अब तक सामने आई तकनीकी बाधाओं और प्रक्रिया संबंधी कठिनाइयों पर भी खुलकर चर्चा हुई तथा प्रत्येक बिंदु का समाधान तत्काल करते हुए अधिकारियों को जमीनी स्तर पर इन प्रणालियों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए व्यावहारिक मार्गदर्शन दिया गया। एसएनए-स्पर्श से जुड़ी मॉनिटरिंग, निधि आवंटन एवं भुगतान की ऑटो-ट्रैकिंग सुविधाओं पर भी गहन व तकनीकी जानकारी साझा की गई, जिससे शासन की योजनाओं के लिए मिलने वाली राशि का अधिकतम पारदर्शी और लक्ष्य-आधारित उपयोग सुनिश्चित हो सके।

कार्यक्रम में सहायक कोषालय अधिकारी पुष्पेन्द्र कुमार प्रजापति, विक्रांत सिंह परिहार सहित कोषालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के अंत में जिला कोषालय अधिकारी यादव ने प्रतिभागियों से अपील की कि एसएनए-स्पर्श एवं ई-कुबेर आधारित जस्ट-इन-टाइम प्रणाली को पूरी दक्षता के साथ लागू कर जिले में वित्तीय प्रबंधन एवं भुगतान व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाया जाए।

मनेन्द्रगढ़ के तीन नजूल भू-खण्डों को पुनः शासकीय भूमि के रूप में दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू

छ.ग.फ्रंटलाइन एमसीबी। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी डी. राहुल वेंकट के आदेशानुसार नगर मनेन्द्रगढ़ स्थित तीन महत्वपूर्ण नजूल भू-खण्डों-क्रमांक 3/10क, 3/10ख और 3/10ग-को पुनः नजूल शासकीय भूमि के रूप में अभिलेखों में दर्ज करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मनेन्द्रगढ़ द्वारा जारी प्रतिवेदन के आधार पर बताया गया है कि वर्ष 2025-26 के आंतरिक नजूल संधारण खसरा में भू-खण्ड क्रमांक 3/10क का क्षेत्रफल 26,550 वर्गफीट, भू-खण्ड क्रमांक 3/10ख का क्षेत्रफल 3,000 वर्गफीट तथा भू-खण्ड क्रमांक 3/10ग का क्षेत्रफल 450 वर्गफीट अभिलेखों में अध्यक्ष भूपेन्द्र क्लब मनेन्द्रगढ़ के नाम दर्ज है। न्यायालय तहसीलदार नजूल द्वारा दिनांक 05 फरवरी 2024 को नामांतरण पारित होने के बाद भी संस्था ने भूमि का अधिपत्य ग्रहण नहीं किया, वहीं भूपेन्द्र क्लब की ओर से वादी रहे श्री रामानुज अग्रवाल का निधन हो चुका है और वर्तमान में क्लब की कोई विधिक स्थिति अस्तित्व में नहीं है। इस परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए 70 ग0 भू.रा.सं. की धारा 57(1) एवं 57(2) के तहत उक्त भूमि को पुनः नजूल शासकीय भूमि के रूप में दर्ज किए जाने हेतु अनुशंसा सहित कार्यवाही प्रारंभ की गई है। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि यदि किसी व्यक्ति या संस्था को इस संबंध में आपत्ति हो तो प्रकाशन तिथि से आगामी 15 दिनों के भीतर कार्यालयीन समय में स्वयं अथवा अभिभाषक के माध्यम से न्यायालय में लिखित दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के बाद प्राप्त होने वाली आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जाएगा।

जनकपुर में 8 दिसंबर को लगेगा PMNAM अप्रेंटिसशिप मेला

छ.ग.फ्रंटलाइन एमसीबी। जनकपुर स्थित शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में आगामी 08 दिसंबर 2025, सोमवार को भारत सरकार की नेशनल अप्रेंटिसशिप प्रमोशन स्कीम के अंतर्गत प्रधानमंत्री राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप मेला PMNAM का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस विशेष रोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले में दसवीं, बारहवीं, आईटीआई एवं डिप्लोमा उत्तीर्ण युवा प्रतिभागियों को अपने कौशल और योग्यता के अनुरूप रोजगार एवं अप्रेंटिसशिप अवसर प्राप्त करने का सुनहरा अवसर मिलेगा। संस्था द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार मेले में प्रदेश और आसपास के विभिन्न प्रतिष्ठित उद्योगों को आमंत्रित किया गया है, जहां उद्योग स्वामी और प्रबंधक स्वयं उपस्थित होकर अपनी आवश्यकता अनुसार युवाओं का चयन करेंगे। प्रतिभागी छात्र-छात्राएं अपने संपूर्ण मूल दस्तावेज और छायाप्रतियां साथ लाकर पंजीयन करा सकते हैं तथा अप्रेंटिसशिप पोर्टल पर आवेदन की प्रक्रिया भी स्थल पर ही पूरी कर सकते हैं। आवश्यक दस्तावेजों में दसवीं और आईटीआई की अंकसूची, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, बैंक पासबुक की छायाप्रति, आधार कार्ड, राशन कार्ड और दो पासपोर्ट साइज के फोटो अनिवार्य हैं। संस्था ने जिले के सभी इच्छुक युवाओं से अपील की है कि वे इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाते हुए समय पर उपस्थित हों और अपने करियर को नई दिशा दें। अधिक जानकारी हेतु योजना प्रभारी से 8458859820 पर संपर्क किया जा सकता है।

गैबियन गरन ई निर्माण कार्य पर भारी वित्तीय अनियमितता उप यंत्री से सांठ गांठ कर फर्जी बिल लगाकर पुरी राशि का आहरण

छ.ग.फ्रंटलाइन सोनहत। विकास खंड मुख्यालय से तीस किलोमीटर दुरी पर ग्राम पंचायत रामगढ़ के आश्रित ग्राम गरन ई में वर्ष 23-24 में मनरेगा के तहत् ग्राम पंचायत रामगढ़ ने निर्माण एजेंसी रहा जो मटेरियल सप्लायर विशवनाथ पिता बनारसी साहु ने किया था पुरी मटेरियल देने के बाद उप यंत्री प्रभात साहू ने अपने करीबी रिश्तेदार का फर्जी बिल लगाकर पुरी राशि आहरण कर लिया गया एवं सचिव रोजगार सहायक भी पुरी साथ दिये रामगढ़ निवासी विश्वनाथ साहु ने कलेक्टर जनदर्शन में अपनी शिकायत की थी उसकी जांच करने के लिए जनपद पंचायत सोनहत के कररोपण अधिकारी जगरनाथ गुप्ता को मिला था वह भी जांच होने के बाद आज तक ठंडे बस्ते में पड़ा हुआ है सप्लायर विशवनाथ साहु का पैसा डुबते हुये नजर आ रहा है वहीं पर गरन ई ग्राम वासियों का कहना है कि आठ लाख पचास हजार का निर्माण कार्य लीपापोती कर उपयंती एवं सचिव के द्वारा रिकॉर्ड लेखा जोखा कर निकाल लिया गया है एवं कार्य भी मानक के अनुरूप नहीं हुआ है जो घटिया क्वालिटी का लगाया गया है वहीं जाली भी एकदम घटिया स्तर का लगाया गया है एवं जो बोल्डर कत्तल भरा गया है वह भी गलकर खाली जगह बन गया है जिस उद्देश्य से सरकार निर्माण कराई है वह नहीं बना है संबंधित उप यंत्री एवं पंचायत पदाधिकारियों के उदासीनता के कारण निर्माण कार्य घटिया हुआ है एवं पुरे राशि का बंदरबांट कर लिया गया है गैबियन निर्माण कार्य पुरा इंजीनियरिंग तकनीकी है जिसमें पत्थरों या कंक्रीट के टुकड़ों से भरे तार के पिंजरों का उपयोग करके निर्माण की जाती है जिसका मुख्य उद्देश्य मिट्टी को रोकना ढलानों का कटाव रोकना नदी तटों को मजबूत करना ये भारी जस्ती स्टील के तार की हेक्सा गोनल जाली से बनी टोकरियां होती है खड़ी ढलानों को स्थिर करने और उन्हें गिरने से बचाने के लिए धातु के जाल चौकोर आकार और पैनलों को तारों से जोड़ा जाता है इन खुली टोकरियां को साइड पर कठोर टिकाऊ पत्थरों 4.8 इंच से भरा जाता है भरी हुई टोकरियों को एक दूसरे के ऊपर रखकर एक अंखड लचीली और पारगम्य संरचना बनाई जाती है पानी से होने वाले कटाव को रोकने और स्थिर संरचनाये बनाने का एक प्रभावी और पर्यावरण के अनुकूल तरीका है लेकिन रामगढ़ पंचायत के गरन ई में गैबियन निर्माण कार्य पर उप यंत्री से सांठ गांठ कर खाना पुरति तर्ज पर कर दिया गया है जो कुछ ही दिनों में धरातल में धराशायी हो जायेगी वही आर ई एस एस डि ओ से इस विषय में पूछा गया तो उन्होंने कहा मुझे अभी एक माह ही हुआ है जानकारी लेने के बाद ही बता पाऊंगी।

बरदर के किसान सुशील कुमार की सुव्यवस्थित खरीदी व्यवस्था ने बढ़ाया भरोसा, सरकार को दिया धन्यवाद

छ.ग.फ्रंटलाइन एमसीबी। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 किसानों के लिए उम्मीद, सम्मान और विश्वास की नई दिशा लेकर आया है। बरदर उपार्जन केंद्र पहुंचने पर ग्राम बरदर के किसान सुशील कुमार का इस बार का अनुभव बिल्कुल अलग था। अपनी मेहनत से उपजाए 100 क्विंटल धान को लेकर जैसे ही वे केंद्र पहुंचे, उन्हें हर कदम पर बदलाव और सुचारु व्यवस्था का एहसास हुआ।

उपार्जन केंद्र में बेमिसाल व्यवस्था

सुशील कुमार का कहना है कि इस बार उपार्जन केंद्र का माहौल पूरी तरह बदला हुआ नजर आया। परिसर साफ-सुथरा था, किसानों के लिए व्यवस्थित कतारें थीं, पर्याप्त बारदाने की उपलब्धता थी, साथ ही पीने के पानी और बैठने की सुविधा ने पूरी प्रक्रिया को सहज और सम्मानजनक बना दिया। तौल प्रक्रिया में रही पारदर्शिता ने किसानों का भरोसा और मजबूत किया।

किसानों की मेहनत को मिल रहा सम्मान

सुशील कुमार मुस्कुराते हुए बताते हैं कि पहले खरीदी को लेकर हमेशा भीड़, देरी

और समस्याएँ सामने आती थीं, लेकिन इस बार न कोई अव्यवस्था दिखी और न ही किसी प्रकार की परेशानी। उन्होंने कहा कि इस बार ऐसा लगा मानो किसानों की मेहनत को वास्तव में सम्मान मिल रहा है और पूरी प्रक्रिया किसानों को केंद्र में रखकर बनाई गई है।

समर्थन मूल्य ने बढ़ाई आर्थिक सुरक्षा

राज्य सरकार द्वारा घोषित 3100 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य और प्रति एकड़ 21 क्विंटल खरीदी सीमा को सुशील कुमार किसानों की आर्थिक सुरक्षा का मजबूत आधार बताते हैं। वे कहते हैं कि इस निर्णय ने किसानों को सुरक्षित भविष्य की ओर बढ़ने का आत्मविश्वास दिया है।

मुख्यमंत्री को किसान ने दिया धन्यवाद

व्यवस्था से प्रभावित होकर सुशील कुमार ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में खरीदी व्यवस्था में आए सुधारों ने किसानों को राहत और विश्वास दोनों प्रदान किए हैं। उनके अनुसार यह बदलाव किसानों के जीवन में सकारात्मक असर ला रहा है।

पूरे क्षेत्र के किसानों के लिए प्रेरणा

बरदर उपार्जन केंद्र का सकारात्मक अनुभव न सिर्फ सुशील कुमार के लिए, बल्कि पूरे क्षेत्र के किसानों के लिए प्रेरणादायक बन रहा है। यह कहानी इस बात का प्रमाण है कि जब व्यवस्थाएँ संवेदनशील, सुव्यवस्थित और पारदर्शी होती हैं, तो किसान केवल फसल ही नहीं उगाते, बल्कि राज्य के भविष्य की मजबूत नींव भी तैयार करते हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर (छ.ग.) पिन नं. 497001 से मुद्रित व महलपारा बैकुण्ठपुर से प्रकाशित। संपादक- कमलेश शर्मा